छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री

कक्षा 10

हिंदी 'अ'

सत्र 2021-22

(प्रथमअर्धांश)

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केंद्रीय विद्यालय संगठन एर्णाकुलम संभाग

संरक्षक

श्री आर सेंथिल कुमार, उपायुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन

क्षेत्रीय कार्यालय, एर्णाकुलम संभाग

प्रेरणाश्रोत

श्रीमती दीप्ति नायर,

सहायक आयुक्त,

केंद्रीय विद्यालय संगठन

एर्णाकुलम क्षेत्रीय संभाग

श्री संतोष कुमार एन.

सहायक आयुक्त,

केंद्रीय विद्यालय संगठन

एर्णाकुलम क्षेत्रीय संभाग

मार्गदर्शक

डॉ. रानी एस डी

प्रधानाचार्या, केंद्रीय विद्यालय पय्यन्नूर

सहायक सामग्री निर्माण समिति

श्रीमती प्रीति एन (के.वि. पय्यन्नूर)

श्रीमती टी एन पुष्पा (केल्ट्रोंन नगर)

श्री रवि कुमार (के.वि.पय्यन्नूर)

श्रीमती प्रतिभा कुमारी (02 के.वि.कासरगॉड)

श्रीमती आई के सुधर्मा (के.वि. कन्नूर)

श्री प्रेमराज सैनी (के.वि.पय्यन्नूर)

श्रीमती षैना के वी (के.वि. कन्नूर)

श्रीमती लता रामानुजन (के.वि.केल्ट्रोंन नगर)

श्री के वी वेलायुधन (के.वि. एझिमला)

श्रीमती स्मिता प्रशांत (के.वि.कन्नूर)

समन्वयक

श्रीमती प्रीति एन, के.वि.पय्यन्नूर

आवरण सज्जा

श्री रवि कुमार, के.वि.पय्यन्नूर

संकलनकर्ता

श्री रवि कुमार एवं श्री प्रेम राज सैनी, के.वि.पय्यन्नूर

आर सेन्दिल कुमार
उपायुक्त

R. Senthil Kumar
Deputy Commissioner

केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
क्षेत्रीय कार्यालय, एरणाकुलम

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
REGIONAL OFFICE,
ERNAKULAM,
KOCHI – 682 020
Ph. No.0484- 2205111(DC), 2203091(Fax))
Website: www.roernakulam.kvs.gov.in
Email : dcernakulamregion@gmail.com

F.31/Acad/KVS(EKM) Dated: 01.11.2021

उपायुक्त महोदय का सन्देश

मुझे कक्षा10 की हिंदी विषय की अध्ययन- सामग्री प्रस्तुत करते हुए अत्यधिक हर्ष हो रहा है। प्रस्तुत अध्ययन सामग्री सीबीएसई द्वारा पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन प्रक्रिया में अभी हाल ही में किए गए बदलावों के अनुरूप है. मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रस्तुत सामग्री सभी केंद्रीय विद्यालयों के कक्षा10 के छात्रों के लिए अत्यंत सहायक होगी।

हालिया परिवर्तनों के अनुसार प्रस्तुत सामग्री छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं की अच्छी तैयारी कराएगी तथा छात्रों को बहुविकल्पी प्रश्नों को हल करने योग्य बनाएगी। प्रस्तुत सहायक सामग्री अनुभवी एवं पूर्ण समर्पित अध्यापकों द्वारा तैयाए की गई है तथा अभी हाल ही में किए गए बदलावों के अनुरूप है. मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रस्तुत सामग्री सभी केंद्रीय विद्यालयों के कक्षा10 के छात्रों के लिए अत्यंत सहायक होगी।

हालिया परिवर्तनों के अनुसार प्रस्तुत सामग्री छात्रों को बोर्ड परीक्षाओं की अच्छी तैयारी कराएगी तथा छात्रों को परिस्थिति आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों को हल करने योग्य बनाएगी। प्रस्तुत सहायक सामग्री अनुभवी, पूर्ण समर्पित एवं विषय-विशेषज्ञ अध्यापकों द्वारा तैयाए की गई है।

सहायक-सामग्री में छात्रो की आवश्यकतानुसार सभी पहलुओं यथा; आदर्श प्रश्न-पत्र, अवधि(TERM) के अनुरूप पाठ्यक्रम-विभाजन, पाठों का सारांश, नमूना प्रश्न-पत्र आदि का ध्यान रखा गया है।

मुझे पूर्ण आशा है कि सहायक सामग्री छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा उपयोग की जाएगी और द्रुत- पुनरावृत्ति के लिए एक उपयोगी साधन का कार्य करेगी।

मैं प्रभावी प्रधानाचार्या एवं निरंतर प्रयत्नशील शिक्षकों का आभार व्यक्त करता हूँ जिनके अतुलनीय योगदान से ही यह सराहनीय कार्य संपन्न हुआ है। कठिन परिश्रम, प्रभावी समय नियोजन और कार्यनिष्ठा युक्त यह योजना छात्रों को सफलता की श्रेणी में शामिल होने में सहायता करेगी।

(आर सेन्दिल कुमार)

डॉक्टर एस डी रानी
प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय
पय्यन्नूर

विषय सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या	निर्माता /निर्मात्री एवं सम्वद्ध विद्यालय
1	पाठ्यक्रम विनिर्देश	06	सीबीएसई
2	अपठित गद्यांश	7-13	श्री प्रेमराज सैनी, के.वि पय्यन्नूर
3	पठित गद्यांश	14-18	श्री प्रेमराज सैनी , के.वि पय्यन्नूर
4	वाक्य-विचार	19-25	श्रीमती टी एन पुष्पा, के.वि केल्ट्रोन नगर
5	वाच्य	26-32	श्रीमती लता रामानुजन , के.वि केल्ट्रोन नगर
6	पद-परिचय	33-40	श्रीमती षैना केवी , के.वि कन्नूर
7	रस	41-57	श्री रवि कुमार, के.वि पय्यन्नूर
8	नेताजी का चश्मा	58-64	श्रीमती आई के सुधर्मा , के.वि कन्नूर
9	बालगोबिन भगत	65-71	श्रीमती प्रीति एन , के.वि पय्यन्नूर
10	अपठित पद्यांश	72-77	श्रीमती प्रतिभा कुमारी, के.वि कासरगॉड
11	पठित पद्यांश	78-82	श्रीमती प्रतिभा कुमारी, के.वि कासरगॉड
12	सूर के पद	83-86	श्रीमती स्मिता प्रशांत , के.वि कन्नूर
13	राम, लक्ष्मण और परशुराम संवाद	87-94	श्री के वी वेलायुधन, के.वि एझीमला
14	आदर्श प्रश्न-पत्र	95-108	श्री रवि कुमार , के.वि पय्यन्नूर

हिंदी पाठ्यक्रम -अ (कोड सं. 002) कक्षा 10वीं हिंदी - अ परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2021-22

परीक्षा भार विभाजन सत्र 1				
	विषयवस्तु		उप भार	कुलभार
1	अपठित गदयांश व कावयांश पर चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न।			10
	अ	एक अपठित गदयांश 150 से 200 शब्दों का (1x5=5) विकल्प सहित	5	
	ब	एक अपठित काव्यांश 150 से 200 शब्दों का (1x5=5) विकल्प सहित	5	
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु /संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रश्न प्रश्न (1x16) कुल 20 प्रश्न पूछे जाएँगे जिसमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।			16
	1	रचना के आधार पर वाक्य भेद (4 अंक)	4	
	2	वाच्य (4 अंक)	4	
	3	पद परिचय (4 अंक)	4	
	4	रस (4 अंक)	4	
3	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग - 2			14
	अ	गद्य खंड	7	
	1	क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गदयांश के आधार पर विषय-वस्तु का ज्ञान बोध, अभिव्यक्ति आदि पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x5)	5	
	2	क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x2)	2	
	ब	काव्य खंड	7	
	1	क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे (1x5)	5	
	2	क्षितिज से निर्धारित कवितावों के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x2)	2	
4		**आंतरिक मूल्याङ्कन**		10
	अ	सामयिक आकलन	**2.5**	
	ब	बहुविध आकलन	**2.5**	
	स	पोर्टफोलियो	**2.5**	
	द	श्रवण एवं वाचन	**2.5**	
		कुल		**50**

पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग -2 सत्र 2021-22 सत्र -1 में निम्नलिखित पाठ सम्मिलित किए गए हैं –

गद्य - खंड	काव्य - खंड
स्वयं प्रकाश - नेताजी का चश्मा	सूरदास - पद
रामवृक्ष बेनीपुरी - बालगोबिन भगत	तुलसीदास - राम - लक्ष्मण - परशुराम संवाद

अपठित गद्यांश

1.महिला सशक्तिकरण से महिलाएँ आत्मनिर्भर बनती है। जिससे वह अपने जीवन से जुड़े सभी फैसले स्वयं लेती हैं और परिवार व समाज में अपना स्थान बनाती हैं। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना ही महिला सशक्तिकरण है ।महिला सशक्तिकरण भौतिक, अध्यात्मिक शारीरिक तथा मानसिक स्तर पर महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें सशक्त बनाने की प्रक्रिया है। महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण में शिक्षा की अहम भूमिका होती है। ग्रामीण महिलाएँ सदियों से घर तथा खेत में पुरुषों के बराबर ही काम करती आई है, लेकिन वहाँ उन्हें सामंती सोच के कारण दूसरे दर्जे का नागरिक ही माना जाता रहा। ग्रामीण समाज की सोच बदलने का वक्त आ गया है। महिलाओं की उन्नति के लिए गाँव में कार्य किया जाना चाहिए । नारी सशक्तिकरण के इस वर्तमान दौर में महिलाएँ केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ ही नहीं हुई अपितु समाज एवं परिवार की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने प्रारंभ हो गए हैं। आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में स्वयं के बल पर आगे बढ़ रही हैं ।चाहे वह सामाजिक क्षेत्र हो राजनीति हो, शिक्षा हो, रोजगार हो , सभी क्षेत्रों में महिलाओं ने अपना परचम फहराया है। वर्तमान समय में लोग बेटियों को बोझ समझ कर दुनिया में आने से पहले ही मारे नहीं इसलिए सरकार ने बहुत सारी योजनाओं जैसे लाडली योजना ,बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ, उड़ान आदि योजनाओं की शुरुआत की है ।

प्रश्न 1. गद्यांश के आधार पर बताइए कि ग्रामीण महिलाओं को किस तरह का नागरिक माना जाता रहा है?

क पहले दर्जे का

ख दूसरे दर्जे का

ग तीसरे दर्जे का

घ इनमें से कोई नहीं

उत्तर - **दूसरे दर्जे का**

प्रश्न 2. महिलाओं की उन्नति के लिए अब कहाँ कार्य किया जाना चाहिए ?

क शहरों में

ख गाँव में

ग महानगरो में

घ इनमें से कोई नहीं

उत्तर – **गाँव में**

प्रश्न 3. गद्यांश के आधार पर बताइए कि वर्तमान में महिलाएँ किस के बल पर आगे बढ़ रही हैं?

क पुरुषों के बल पर

ख समाज के बल पर

ग स्वयं के बल पर

घ इनमें से कोई नहीं

उत्तर - **स्वयं के बल पर**

प्रश्न 4.गद्यांश के आधार पर बताइए कि वर्तमान समय में महिलाओं के लिए सरकार ने कौन-कौन सी योजनाएं चलाई है?

क लाडली योजना

ख उड़ान योजना

ग बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ

घ ये सभी

उत्तर – ये सभी

प्रश्न 5 'उन्नति' का विलोम शब्द निम्नलिखित में से कौन सा होगा?

क अवनति

ख गिरावट

घ उतनति

घ पतन

उत्तर - अवनति

2. पुस्तकालय से बड़ा लाभ है - ज्ञानवृद्धि। मनुष्य को बहुत थोड़े शुल्क के बदले बहुत सारी पुस्तके पढ़ने को मिल जाती हैं।वह चाहे तो एक ही विषय की अनेक पुस्तकें पढ़ सकता है। दूसरे उसे किसी भी विषय की नवीनतम पुस्तकें वहाँ से प्राप्त हो सकती हैं।तीसरे उसे किसी भी विषय पर तुलनात्मक अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो जाता है।चौथे विश्व में प्रकाशित विभिन्न विषयों की पुस्तकें भी यहाँ मिल जाती हैं।यही कारण है कि उच्च कक्षा तथा किसी विषय में विशेष योग्यता प्राप्त करनेवाले विद्यार्थी अपना अधिकांश समय पुस्तकालय में ही व्यतीत करते हैं।पुस्तकालय मनुष्य में पढ़ने की रुचि उत्पन्न करता है।यदि आप एक बार किसी पुस्तकालय में चले जाएँ , वहाँ की पुस्तकों को देखकर आप उन्हें पढ़ने के लिए लालायित हो जाएँगे।इस प्रकार पुस्तकालय आपकी रुचि को ज्ञानवर्द्धन की ओर बदलता है।दूसरे, अवकाश के समय में पुस्तकाल यह हमारा सच्चा साथी है जो हमें सदुपदेश देता है और हमारा मनोरंजन भी करता है।शेष मनोरंजन के साधनों में धन अधिक खर्च होता है,जबकि यह सबसे सुलभ और सस्ता मनोरंजन है।

(1) पुस्तकालय की सबसे बड़ी उपयोगिता क्या है?

(क)मनुष्य की ताकत बढ़ाना (ख)मनुष्य को राजनीति का परिचय देना

(ग) मनुष्य की ज्ञानवृद्धि करना (घ) मनुष्य को भूगोल का परिचय देना

उत्तर - **मनुष्य की ज्ञानवृद्धि करना**

(2) कैसे छात्र अपना अधिकांश समय पुस्तकालय में बिताते हैं ?

(क) समय का दुरुपयोग करने वाले (ख) समय का सदुपयोग करनेवाले

(ग) उच्च कक्षा एवं विशिष्ट योग्यता के इच्छुक (घ) खेलों में दक्षता के अभिलाषी

उत्तर - उच्च कक्षा एवं विशिष्ट योग्यता के इच्छुक

(3) पुस्तकालय हमारे किस समय का सच्चा साथी है ?

(क)कार्यालय के समय का (ख) अवकाश के समय का

(ग) घर के समय का (घ) बाज़ार के समय का

उत्तर - अवकाश के समय का

(4) पुस्तकालय मनोरंजन का कौन सा साधन है ?

(क) महँगा (ख) निरर्थक

(ग) विलंब से प्राप्त होने वाला (घ) सुलभ और सस्ता

उत्तर - **सुलभ और सस्ता**

(5) पुस्तकालय मनुष्य में किस प्रकार की रुचि उत्पन्न करता है ?

(क) पढ़ने की (ख) खेलने की

(ग) सोचने की (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - पढ़ने की

3.हमारे देश को दो बातों की सबसे पहले और सबसे ज्यादा जरूरत है। एक शक्तिबोध और दूसरा सौन्दर्यबोध। शक्तिबोध का अर्थ है -देश की शक्ति या सामर्थ्य का ज्ञान। दूसरे देशों की तुलना में अपने देश को हीन नहीं मानना चाहिए। इससे देश के शक्तिबोध को आघात पहुँचता है। सौन्दर्य बोध का अर्थ है किसी भी रूप में कुरुचि की भावना को पनपने न देना। इधर-उधर कूड़ा फेंकने, गंदे शब्दों का प्रयोग, इधर की उधर लगाने, समय देकर न मिलना आदि से देश के सौन्दर्य-बोध को आघात पहुँचता है। देशं के शक्तिबोध को जगाने के लिए हमें चाहिए कि हम सदा दूसरे देशों की अपेक्षा अपने देश को श्रेष्ठ समझें। ऐसा न करने से देश के शक्तिबोध को आघात पहुँचता है। यह उदाहरण इस तथ्य की पुष्टि करता है-शल्य महाबली कर्ण का सारथी था। जब भी कर्ण अपने पक्ष की विजय की घोषणा करता, हुँकार भरता, वह अर्जुन की अजेयता का एक हल्का-सा उल्लेख कर देता। बार-बार इस उल्लेख ने कर्ण के सघन आत्मविश्वास में संदेह की तरेड़ डाल दी, जो उसके भावी पराजय की नींव रखने में सफल हो गई।

1-परदेश की तुलना में स्वदेश के प्रति हीन भावना किसे चोट पहुँचाता है?

क ज्ञानबोध ख- आत्मबोध ग -सौन्दर्य बोध घ- शक्तिबोध

उत्तर - शक्तिबोध

2-कर्ण की पराजय का कारण क्या था?

क-अर्जुन की योग्यता ख- कर्ण की कायरता ग- कर्ण की हीनता घ-अर्जुन की प्रशंसा

उत्तर – अर्जुन की प्रशंसा

3-देश में कचरा फैलाने से देश के किसमे ह्रास होता है?

क-ज्ञान में ख-शक्ति बोध ग-सामर्थ्य में घ-सौन्दर्य बोध

उत्तर - सौन्दर्य बोध

4-कुरुचि का विलोम होगा?

क-अनरुचि ख- विरुचि ग- अरुचि घ- सुरुचि

उत्तर - सुरुचि

5-सारथी चलाता है?

क- घोड़ा ख- बैलगाड़ी ग- हाथी घ- रथ

उत्तर – रथ

4. डॉ .कलाम दृढ़ इच्छाशक्ति वाले वैज्ञानिक थे। वे भारत को विकसित देश बनाने का सपना संजोए हुए थे। उनका मानना था कि भारतवासियों को व्यापक दृष्टि से सोचना चाहिए। हमें सपने देखने चाहिए। सपनों को विचारों में बदलना चाहिए। विचारों को कार्यवाही के माध्यम से हकीकत में बदलना चाहिए। डॉ .कलाम तीसरे ऐसे वैज्ञानिक हैं, जिन्हें भारत का सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न ' दिया गया। उन्हें 'पद्मभूषम 'तथा' पद्मविभूष्ण 'से भी सम्मानित किया गया। भारत को उन पर गर्व है। इतनी उपलब्धियाँ प्राप्त करने के बावजूद अहंकार कलाम जी को छू तक नहीं पाया। वे सहज स्वभाव के एक भावुक व्यक्ति थे। उन्हें कविताएँ लिखना, वीणा बजाना तथा बच्चों के साथ रहना पसंद था। वे सादा जीवन उच्च विचार में विश्वास रखते थे। कलाम साहब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। कलाम जी तपस्या और कर्मठता की प्रतिमूर्ति हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ लेते समय दिए गए भाषण में उन्होंने कबीरदास जी के इस दोहे का उल्लेख किया था ' –काल करे सो आज कर, आज करे सो अब'।

1-डॉ कलाम भारत को कैसा देश बनाना चाहते थे?

1. प्रसिद्ध ख- विकासशील ग- प्रगतिशील घ- विकसित

उत्तर – विकसित

2-निम्नलिखित में से सबसे बड़ा नागरिक सम्मान कौन सा है ?

1. पद्मश्री ख- पद्मविभूषण ग-पद्मभूषण घ- भारत रत्न

उत्तर - भारत रत्न

3-कलाम साहब के अनुसार सपने सिर्फ ?

क- कार्यवाही की चीज़ है। ख- विचार की चीज़ है।

ग-देखने की चीज़ है। घ- हकीकत में बदलने की चीज़ है।

उत्तर – हकीकत में बदलने की चीज है।

4-कबीर के दोहे का अनुसरण कलाम साहब की किसके प्रति प्रतिबद्धता दर्शाता है ?

1. शिक्षा ख- विज्ञान ग- मातृभूमि घ- समय

उत्तर - समय

5-निम्नलिखित में से कलाम साहब को क्या पसंद न था?

1. साहित्य ख- संगीत ग- बच्चों से प्रेम घ- राजनीति

उत्तर - राजनीति

****

पठित गदयांश

1.**निम्नलिखित पाठ भाग पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

बेटे को आंगन में एक चटाई पर लिटाकर एक सफेद कपड़े से ढांक रखा है|वह कुछ फूल तो हमेशा ही रोपे रहते है ,उन फूलों में से कुछ तोड़कर उस पर बिखरा दिए है,फूल और तुलसी भी |सिरहाने एक चिराग जला रखा है |और उसके सामने जमीन पर ही आसन जमाए गीत गाए चले जा रहे है |वही पुराना स्वर वही पुरानी तल्लीनता | घर में पतोहू रो रही है ,जिसे गाँव की स्त्रियां चुप कराने की कोशिश कर रही है |किन्तु बालगोबिन भगत गाए जा रहे है |गाते –गाते कभी-कभी पतोहू के नज़दीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते है |आत्मा परमात्मा के पास चली गई ,विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली ,भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात ? मैं कभी-कभी सोचता,यह पागल तो नहीं हो गए |

1. **बेटे की मृत-देह के पास बालगोबिन भगत क्या करने लगे ?**

   क नाचने लगा

   ख गीत गाने लगा

   ग चलने लगा

   उत्तर - ख. गीत गाने लगा

2. **अपनी पतोहू को बालगोबिन ने क्या समझाया?**

   क रोने को

   ख उत्साह मनाने को

   ग गीत गाने को

   उत्तर . ख. उत्साह मनाने को

3.**लेखक बालगोबिन भगत के संबंध में क्या सोचता था** ?

क पागल हो गया हो

ख क्रोधित हो गया हो

ग पराजित हो गया हो

उत्तर पागल हो गया हो

4 **पतोहू का शाब्दिक आर्थ है –**

क पुत्र

ख पत्नी

ग पुत्र वधू

उत्तर. पुत्र वधू

5 **बालगोबिन भगत किसने लिखा** ---

क प्रेमचंद

ख रामवृक्ष वेणीपुरी

ग स्वयं प्रकाश

उत्तर ख रामवृक्ष वेणीपुरी

6 **पुत्र की मृत शरीर कहाँ रखी हुई थी** ?

क बिस्तर पर

ख फर्श पर

ग चटाई पर

उत्तर ग चटाई पर

7 **पुत्र के शव पर बिखरा दिए थे –**

क फूल

ख तुलसी के पत्ते

ग फूल और तुलसी के पत्ते

उत्तर क फूल

8 **इकलौता का अर्थ है** ---

क अकेला

ख छोटा

ग बड़ा

उत्तर क अकेला

2.किन्तु खेतीबारी करते . परिवार रखते भी . बालगोविन भगत साधु धे - साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरनेवाले । कबीर को 'साहब 'मानते थे , उन्हीं के गीतों को गाते , उन्हीं के आदेशों पर चलते । कभी झूठ नहीं बोलते , खरा व्यवहार रखते । किसी से भी दो - टूक बात करने में संकोच नहीं करते . न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते । किसी की चीज नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते । इस नियम को कभी - कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहत होता ! - कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते । वह गृहस्थ थे . लेकिन उनकी सब चीज़ साहब 'की थी । जो कुछ खेत में पैदा होता , सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते- जो उनके घर से चार कोस दूर पर था- एक कबीरपंथी मठ से

मतलब । वह दरबार में भेट 'रूप रख लिया जाकर प्रसाद रूप में जो उन्हें मिलता , उसे घर लाते और उसी से गुजर चलाते ।

1-गद्यांश के लेखक का नाम है

क-स्वयं प्रकाश

ख-महादेवी वर्मा

ग-रामवृक्ष बेनीपुरी

घ-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

उत्तर ग-रामवृक्ष बेनीपुरी

2-गृहस्थ होते हुए भी बालगोबिन भगत साधु थेः क्योंकि

क-पीले वस्त्र पहनते थे

ख-सिर पर जटा धारण करते थे

ग-साधु की सब परिभाषाओं पर खरे उतरने वाले थे

घ-प्रतिदिन मदिर जाते थे ।

उत्तर ग-साधु की सब परिभाषाओं पर खरे उतरने वाले थे

3-बालगोबिन भगत 'साहब 'मानते थे

क-श्रीराम

ख-श्रीकृष्ण को

ग-कबीर को

घ-तुलसीदास को ।

उत्तर ग-कबीर को

4-बालगोबिन के विषय में कौन - सा कथन सत्य नहीं है

क-कभी झूठ नहीं बोलते

ख-खरा व्यवहार रखते

ग-दो - टूक बात करते

घ-खामखाह झगड़ा मोल ले लेते ।

उत्तर क-कभी झूठ नहीं बोलते

5-साहब के दरबार से मतलब है

क-मंदिर से

ख-मस्जिद से

ग-गुरुद्वारे से

घ-कबीरपंथी मठ से ।

उत्तर घ-कबीरपंथी मठ से ।

वाक्य विचार

वाक्य: - ऐसा सार्थक शब्द समूह जो व्यवस्थित हो तथा पूरा आशय प्रकट कर सके , वाक्य कहलाता है ।

कर्ता और क्रिया पक्ष के अनुसार वाक्य के 2 पक्ष होते हैं ।

उद्देश्य : - वाक्य में जिसके बारे में जो कहा जाए ।

विधेय : - उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए ।

उदाहरण: - मेहनती छात्र सफल होता है ।

मेहनती छात्र - उद्देश्य

सफल होता है - विधेय

रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार -

1)सरल वाक्य

2)संयुक्त वाक्य

3)मिश्र वाक्य

सरल वाक्य : - जिन वाक्यों में एक मुख्य क्रिया हो उन्हें सरल वाक्य कहते हैं ।

संयुक्त वाक्य : - जहां दो या दो से अधिक उपवाक्य किसी समुच्चयबोधक अव्यय से जुड़े होते हैं वे संयुक्त वाक्य कहलाते हैं ।

संयुक्त वाक्य में प्रयुक्त होने वाले योजक हैं -

और ,तथा , किंतु , इसलिए ,परंतु , या, नहीं तो , अन्यथा ।

मिश्र वाक्य : - जिन वाक्यों की रचना एक से अधिक उपवाक्यों से हुई हो जिनमें एक उपवाक्य प्रधान हो और अन्य गौण हो उन्हें मिश्र वाक्य कहते हैं ।

प्रधान उपवाक्य : - इसकी क्रिया मुख्य होती हैं ।

आश्रित उपवाक्य का आरंभ है कि , जो , जिससे ,यदि , क्योंकि आदि से होता है ।

मिश्र वाक्य में प्रयुक्त होने वाले आश्रित उपवाक्य तीन प्रकार के होते हैं ।

i) संज्ञा उपवाक्य

ii) विशेषण उपवाक्य

iii) क्रिया विशेषण उपवाक्य

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

1)निम्नलिखित वाक्य में उद्देश्य हैं -

दिल्ली से आने वाली गाड़ी स्टेशन पहुंची ।

क)दिल्ली से आनेवाली ।

ख)स्टेशन पहुंची

ग)गाड़ी स्टेशन पहुंची ।

घ)दिल्ली से आने वाली गाड़ी ।

सही उत्तर - घ

2)कैप्टन देश भक्त है इसलिए इज्जत पाता है (सरल वाक्य में बदलिए ।)

क) देश भक्ति के कारण कैप्टन इज्जत पाता है ।

ख)यद्यपि कैप्टन देशभक्त हैं तथापि वह इज्जत पाता है ।

ग)कैप्टन देशभक्त है कि इज्जत पाता है ।

घ)उपर्युक्त तीनों सही है ।

सही उत्तर - क

3)जहां एक मुख्य उपवाक्य व अन्य आश्रित उपवाक्य हो - उसे कहते हैं ।

क)सरल वाक्य ख) मिश्रा वाक्य

ग)संयुक्त वाक्य घ) विधानवाचक वाक्य

सही उत्तर - ख

4)संयुक्त वाक्य निम्नलिखित में से कौन सा है ?

क)आपने कठिन प्रयत्न किया और उत्तीर्ण हो गए।

ख)यद्यपि शिवराम गरीब है तथापि स्वाभिमानी है ।

ग)पान खाते ही वह चकराकर गिर पड़ा ।

घ)आप द्वार पर बैठकर उनकी प्रतीक्षा करें ।

सही उत्तर - क

5)जैसे जैसे कोरोना बढ़ गया वैसे-वैसे बाहर जाना मुश्किल हो गया -प्रधान उपवाक्य हैं -

क)जैसे-जैसे करोना बढ गया ।

ख)वैसे-वैसे बाहर जाना मुश्किल हो गया । ग)जैसे-जैसे जाना मुश्किल हो गया ।

घ) इनमें से कोई नहीं ।

सही उत्तर - ख

6) मैं चाहता हूं कि आप सब अच्छे अंक पाकर उत्तीर्ण हो जाए – वाक्य भेद बताइए ।

क)मिश्र वाक्य ख)संयुक्त वाक्य

ग)सरल वाक्य घ)प्रधान वाक्य

सही उत्तर - क

7)सचिन मुख्य अतिथि थे जो प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं– आश्रित उपवाक्य के भेद -

क)क्रिया विशेषण उपवाक्य

ख)संज्ञा उपवाक्य

ग) सर्वनाम उपवाक्य

घ) विशेषण उपवाक्य

सही उत्तर - क

8)कौशल्या नहीं आएगी , सुमित्रा जानती थी इसमें आश्रित उपवाक्य है -

क)सुमित्रा जानती थी ।

ख)कौशल्या नहीं आएगी ।

ग)सुमित्रा नहीं जाएगी ।

घ) इनमें से कोई नहीं ।

सही उत्तर - ख

9)शाम होते ही वह चली गई -वाक्य भेद है -

क) संयुक्त वाक्य ख)मिश्रा वाक्य

ग) संकेत वाक्य घ)सरल वाक्य

सही उत्तर – घ

10)मिश्र वाक्य निम्नलिखितमें से कौन सा है?

क)लोकप्रिय कवि का सम्मान सभी करते हैं ।

ख) वह लोकप्रिय कवि हैं और सभी उसका सम्मान करते हैं ।

ग)जो कवि लोकप्रिय होता है उसका सम्मान सभी करते हैं ।

घ)सम्मान पाने वाला कवि लोकप्रिय हैं ।

सही उत्तर – ग

11) कौन सा मिश्र वाक्य का उदाहरण नहीं है ?

क)विद्यालय का नाम वही रोशन कर सकता है जो अनुशासन में रहें ।

ख)यदि किताब होती तो रोहन अवश्य पढता

ग) राधा आई और पार्टी शुरू हो गई ।

घ) मुसीबत आ जाए तो भागना उचित नहीं

सही उत्तर - ग

12) मैं जानती थी कि सुमत जरूर नृत्य करेगी ।

(वाक्य में आश्रित उपवाक्य का नाम है -)

क) विशेषण उपवाक्य

ख)क्रिया विशेषण उपवाक्य

ग)सर्वनाम उपवाक्य घ)संज्ञा उपवाक्य

सही उत्तर – घ

13)निम्नलिखित में कौन सा सरल वाक्य नहीं है ?

क)वह लंबा चौड़ा पेड है ।

ख)इसी बच्चे को शिक्षक ने डांटा था ।

ग)वह जो लाल कपड़े वाला आदमी कहीं जा रहा है ।

घ)मैदान में खेलने वाला बच्चा वापस आ रहा है।

सही उत्तर - ग

14)वह नहीं चाहता कि तुम्हारे साथ पढे ।

(रचना के आधार पर वाक्य भेद हैं -)

क) मिश्र वाक्य ख) समूह वाक्य

ग) सरल वाक्य घ)संयुक्त वाक्य

सही उत्तर - क

15)आज धूप निकलने की संभावना है -मिश्र वाक्य में बदला रूप है -

क)आज धूप निकल सकती हैं ।

ख)संभावना है कि आज धूप निकले ।

ग) आज धूप और बारिश आने की संभावना है ।

घ) इनमें से कोई नहीं ।

सही उत्तर - ख

16)वह बच्चा ही तो था पर था चतुर ।

(रचना के आधार पर वाक्य भेद -)

क)संयुक्त वाक्य ख)सरल वाक्य

ग)मिश्र वाक्य घ) संकेत वाक्य

सही उत्तर - क

17) मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि मुझे छुट्टी दी जाए । (सरल वाक्य में बदलिए)

क)मेरी छुट्टी की प्रार्थना स्वीकार कर लीजिए

ख)मुझे छुट्टी की बहुत ही जरूरत है ।

ग)छुट्टी के लिए मैं ने सबसे पहले अर्जी की थी ।

घ)मैं आपसे छुट्टी के लिए प्रार्थना करता हूं ।

सही उत्तर - घ

18) जैसे ही बादल दिखाई दिया वैसे ही बारिश होने लगी

(आश्रित उपवाक्य का नाम है -)

क)क्रिया विशेषण उपवाक्य

ख)विशेषण उपवाक्य

ग)संज्ञा उपवाक्य घ)सर्वनाम उपवाक्य

सही उत्तर - क

19)यद्यपि वह हर तरह के संकटों से घिरा था <u>तथापि निराश नहीं हुआ ।</u>

(रेखांकित उपवाक्य के नाम है -)

क)संज्ञा उपवाक्य ख) प्रधान उपवाक्य

ग) गौण उपवाक्य घ)आश्रित उपवाक्य

सही उत्तर – ख

20)रचना के आधार पर वाक्य के कितने प्रकार हैं ?

क) दो ख) तीन ग) पाँच घ) चार

सही उत्तर - ख

वाच्य

वाच्य का अर्थ है- बोलने का विषय

क्रिया का विधान है वाच्य ।

क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता, कर्म या भाव है , उसे वाच्य कहते हैं ।

वाच्य के तीन भेद हैं -

1) कर्तृवाच्य 2) कर्मवाच्य 3) भाववाच्य

- कर्तृवाच्य- जहाँ क्रिया का मुख्य विषय कर्ता हो वहाँ कर्तृवाच्य होता है।क्रिया सकर्मक और अकर्मक दोनों हो सकती है ।

2) कर्मवाच्य - क्रिया का मुख्य विषय कर्म हो तो कर्मवाच्य होता है । क्रिया कर्म के अनुसार बदलेगी, कर्ता के अनुसार नहीं । क्रिया सकर्मक होगी|

3) भाववाच्य -जहाँ क्रिया का मुख्य विषय भाव हो तो वहाँ भाववाच्य होता है। क्रिया अकर्मक होगी|

निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

1)राम रंगोली बना रहा है। कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाइए-

क) राम से रंगोली बनाई जा रही है ।

ख) राम से रंगोली बनाया जा रहा है।

ग) राम से रंगोली बनाई गई।

घ) राम से रंगोली बनाई जाती है ।

सही उत्तर- क

2) गंगा आम खाती है । वाच्य का प्रकार बताइए|

क)कर्मवाच्य ख) कर्तृवाच्य ग)भाववाच्य घ)उपर्युक्तसभी

सही उत्तर- ख

3) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य छाँटिए-

क) माताजी ने पत्र लिखा ख) गीता से बैठा नहीं जाता |

ग) सूसन से कविता लिखी गयी । घ) मैं काम करूँगा|

सही उत्तर- ग

4) निम्नांकित में भाववाच्य है-

क) राधा सोएगी | ख) उससे काम नहीं किया जाता |

ग) मुझसे बैठा जाता है । घ) इनमें से कोई नहीं ।

सही उत्तर- ग

5) कर्तृवाच्य छाँटिए-

क) पिताजी से गाडी चलायी गयी ।

ख) मामाजी ने मिठाई बनायी

ग) मामाजी से मिठाई बनवायी जाएगी।

घ) माता जी से चला नहीं जाता ।

सही उत्तर- ख

6)सीता खाना पकाएगी। वाच्य परिवर्तन कीजिए

क) सीता से खाना पकाया जाएगा

ख) सीता से खाना पकाया जाता है ।

ग) सीता से खाना पकायी जाएगी

घ) सीता से खाना पकायी जाती है।

सही उत्तर- क

7) बच्चा तैरेगा | वाच्य परिवर्तन कीजिए-

क) बच्चे से तैरा जाएगा ख) बच्चा से तैरा जाएगा

ग) बच्चों से तैरा जाएगा घ) बच्चे से तैरा जाता है ।

सही उत्तर- क

8) आओ, घूमने चले -भाववाच्य में बदलिए

क) आओ, घूमने चला जाए ख) आओ , घूमने चले

ग) आओ, घूमने चलेगे घ)आओ, घूमने चलते हैं।

सही उत्तर- क

9) राकेश ने बाजा बजाया । कर्मवाच्य बनाइए-

क) राकेश से बाजा बजेगा

ख) राकेश से बाजा बजाया गया

ग) राकेश से बाजा बजाया जाता है

घ) राकेश से बाजा बजाया जाएगा

सही उत्तर- ख

10) लड़कियों ने गाया । भाववाच्य में बदलिए

क) लड़कियों से गाया जाता है

ख) लड़कियों से गाया जाएगा

ग) लड़कियों से गाया गया

घ) लड़कियों से गाया जा रहा हैं।

सही उत्तर- ग

11) हिरण घास चर रहे थे। वाच्य परिवर्तन कीजिए

क) हिरणों से घास चरी जा रही हैं ख) हिरणों से घास चरी जा रहीथी |

ग) हिरणों से घास चरी जा रहे हैं घ) हिरणों से घास चरा जा रहा था।

सही उत्तर- ख

12) शिकारियों से शिकार किया जा रहा था । कर्तृवाच्य में बदलिए

क) शिकारी शिकार कर रहे थे । ख) शिकारियों ने शिकार किया

ग) शिकारी शिकार करेंगे घ) शिकारी शिकार करते हैं

सही उत्तर- क

13) छात्राओं ने देश्भक्ति गीत प्रस्तुत किया। वाच्य का प्रकार बताइए –

क)कर्मवाच्य ख) कर्तृवाच्य ग)भाववाच्य घ)उपर्युक्तसभी

सही उत्तर- ख

14) किस वाच्य में क्रिया पुल्लिंग एकवचन में रहती है ?

क)कर्तृवाच्य ख) कर्मवाच्य ग) भाववाच्य घ) इनमें से कोई नहीं

सही उत्तर-) ग

15) छात्रों से गीत गाए गए ।वाच्य परिवर्तित रूप है -

क)छात्रों ने गीत गाए ख) छात्रों से गीत गाएगा

ग) छात्रों से गीत गाया जाता है घ) छात्र गीत गा चुके।

सही उत्तर- क

16) तुमसे झूठ न बोला गया – वाच्य का नाम है–

क)कर्तृवाच्य ख)भाववाच्य

ग)कर्मवाच्य घ) इनमें से कोई नहीं

सही उत्तर- ग

17)बाढ़ पीड़ितों की सहायता की गई – वाच्य का परिवर्तित रूप हैं -

क)बाढ़ पीड़ितों की सहायता करेगी।

ख)बाढ़ पीड़ितों की सहायता की।

ग) बाढ़ पीड़ितों की सहायता कर रहीहै।

घ))इनमें से कोई नहीं

सही उत्तर- ख

18)"रामचरितमानस" तुलसीदास द्वारा लिखा गया ग्रंथ है- वाच्य का नाम है–

क)कर्मवाच्य ख) कर्तृवाच्य

ग)भाववाच्य घ) उपर्युक्तसभी

सही उत्तर- क

19) आजादी छीनी जाती है – वाच्य का नाम है।

क) भाववाच्य ख) कर्मवाच्य

ग) कर्तृवाच्य। घ) इनमें से कोई नहीं

सही उत्तर- ख

20) किस वाच्य में क्रिया अकर्मक होती है?

क) कर्तृवाच्य में ख) कर्मवाच्य में ग) भाववाच्य में घ) कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य में

सही उत्तर ग

****

पद परिचय

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1 <u>आज</u> हमारी परीक्षा होनी है – में 'आज' का पद परिचय है

(क) कालवाचक क्रियाविशेषण, होनी है क्रिया की विशेषता

(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, होनी है क्रिया की विशेषता

(ग) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, होनी है क्रिया की विशेषता

(घ) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर - कालवाचक क्रियाविशेषण, होनी है क्रिया की विशेषता

2 <u>मैं</u> लाल रंग की कमीज़ पहनता हूँ | 'मैं' का पदपरिचय है

(क) निजवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(ख) निश्चय वाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्म कारक

(ग) उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन,पुल्लिंग ,कर्ताकारक

(घ) उपर्युक्त में कोई नहीं।

उत्तर - उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम, एकवचन,पुल्लिंग ,कर्ताकारक

3 मैं <u>धीरे- धीरे</u> गाता हूँ | इस वाक्य में रेखांकित पद है –

(क) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक ,मैं विशेष्य |

(ख) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, गाता हूँ विशेष्य |

(ग) क्रियाविशेषण, परिमाण वाचक , गाता हूँ विशेष्य |

(घ) क्रियाविशेषण, परिमाण वाचक,मैं विशेष्य |

उत्तर - क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, गाता हूँ विशेष्य |

4 <u>राधा</u> मंदिर में रहती है | इस वाक्य में रेखांकित पद है –

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन,स्त्रीलिंग ,कर्ताकारक |

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन,स्त्रीलिंग ,कर्ताकारक |

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन,पुल्लिंग ,कर्ताकारक |

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन,स्त्रीलिंग ,कर्मकारक |

उत्तर - व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन,स्त्रीलिंग ,कर्ताकारक |

5 <u>वाह</u> ! कितना सुंदर उपवन है | इस वाक्य में रेखांकित पद है –

(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक , दुख बोधक

(ख) अव्यय, विस्मयादिबोधक , व्यंग्य बोधक

(ग) अव्यय, विस्मयादिबोधक , हर्षबोधक

(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक , प्रश्नबोधक

उत्तर - अव्यय, विस्मयादिबोधक , हर्षबोधक

6 कितने <u>सुगंधित</u> फूल है ! इस वाक्य में रेखांकित पद है –

(क) विशेषण ,गुणवाचक ,एकवचन ,पुल्लिंग,फूल विशेष्य

(ख) विशेषण ,गुणवाचक ,बहुवचन ,पुल्लिंग,फूल विशेष्य

(ग) विशेषण ,गुणवाचक ,एकवचन ,स्त्रीलिंग ,फूल विशेष्य

(घ) विशेषण ,गुणवाचक ,बहुवचन ,स्त्रीलिंग ,फूल विशेष्य

उत्तर - विशेषण ,गुणवाचक ,बहुवचन ,पुल्लिंग,फूल विशेष्य

7 प्रधानाचार्य ने <u>आपको</u> बुलाया है | इस वाक्य में रेखांकित पद है –

(क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम,स्त्रीलिंग,बहुवचन,कर्ता कारक

(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग,एकवचन,कर्ताकारक

(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम,स्त्रीलिंग/पुल्लिंग ,एकवचन,कर्म कारक

(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम,स्त्रीलिंग/पुल्लिंग ,एकवचन,कर्म कारक

उत्तर - मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम,स्त्रीलिंग/पुल्लिंग ,एकवचन,कर्म कारक

8 मैं उससे <u>आगरा</u> में मिलूँगा ' वाक्य में रेखांकित का पद परिचय होगा-

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा,पुल्लिंग,एकवचन ,अधिकरण कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा,पुल्लिंग,एकवचन, अधिकरण कारक

(ग) व्यक्तिवाचकसंज्ञा,पुल्लिंग, एकवचन ,कर्म कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा,पुल्लिंग,एकवचन,करण कारक

उत्तर - व्यक्तिवाचक संज्ञा,पुल्लिंग,एकवचन ,अधिकरण कारक

9 राम ने <u>रावण को</u> बाण से मारा |" रेखांकित पद का परिचय है ?

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग , एकवचन ,कर्मकारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग , एकवचन ,कर्ताकारक|

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग , एकवचन ,करणकारक

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग , एकवचन ,कर्मकारक

उत्तर - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग , एकवचन ,कर्मकारक

10 पेड़ पर <u>कुछ</u> बंदर बैठे थे।

(क) विशेषण, अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य- बंदर

(ख) विशेषण, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य- बंदर

(ग) विशेषण, निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य- बंदर

(घ) विशेषण, निश्चित परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य- बंदर

उत्तर - विशेषण, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य- बंदर

11 <u>हम</u> फिल्म देखने गए|

(क) सर्वनाम ,उत्तम पुरुष, एकवचन , कर्ताकारक

(ख) सर्वनाम ,मध्यम पुरुष, बहुवचन , कर्ताकारक

(ग) सर्वनाम ,अन्य पुरुष, एकवचन , कर्ताकारक

(घ) सर्वनाम ,उत्तम पुरुष, बहुवचन , कर्ताकारक

उत्तर - सर्वनाम ,उत्तम पुरुष, बहुवचन , कर्ताकारक

12 माँ <u>बाहर</u> चली गई |

(क)क्रिया विशेषण, रीतिवाचक क्रिया विशेषण,चली गयी क्रिया की विशेषता

(ख)क्रिया विशेषण, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, चली गयी क्रिया की विशेषता

(ग)क्रिया विशेषण, कालवाचक क्रिया विशेषण, चली गयी क्रिया की विशेषता

(घ)क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक क्रिया विशेषण, चली गयी क्रिया की विशेषता

उत्तर - क्रिया विशेषण, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, चली गयी क्रिया की विशेषता

13 <u>बुरे</u> लोगों से दूर रहो|

(क) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, 'लोगों' विशेष्य

(ख) विशेषण, गुण वाचक , पुल्लिंग, बहुवचन, 'लोगों' विशेष्य

(ग) विशेषण, परिमाण वाचक , पुल्लिंग, बहुवचन, 'लोगों' विशेष्य

(घ) विशेषण, सार्वनामिक , पुल्लिंग, बहुवचन, 'लोगों' विशेष्य

उत्तर - विशेषण, गुण वाचक , पुल्लिंग, बहुवचन, 'लोगों' विशेष्य

14 वह बहुत <u>जोर से</u> हँसता है|

(क) अव्यय, क्रिया विशेषण ,रीतिवाचक , 'हँसता है' क्रिया की विशेषता

(ख) अव्यय, क्रिया विशेषण ,स्थानवाचक ,'हँसता है' क्रिया की विशेषता

(ग) अव्यय, क्रिया विशेषण ,कालवाचक, 'हँसता है' क्रिया की विशेषता

(घ) अव्यय, क्रिया विशेषण ,परिमाणवाचक,'हँसता है' क्रिया की विशेषता

उत्तर - अव्यय, क्रिया विशेषण ,रीतिवाचक , 'हँसता है' क्रिया की विशेषता

15 <u>यह</u> पुस्तक राम की है |

(क) विशेषण,संख्यावाचक, 'पुल्लिंग, बहुवचन, 'पुस्तक ' विशेष्य

(ख) विशेषण,निश्चयवाचक , 'स्त्रीलिंग , एकवचन, 'पुस्तक ' विशेष्य

(ग) विशेषण,संख्यावाचक, 'पुल्लिंग, एकवचन, 'पुस्तक ' विशेष्य

(घ) विशेषण,संख्यावाचक, 'पुल्लिंग, बहुवचन, 'पुस्तक ' विशेष्य

उत्तर - विशेषण,निश्चयवाचक , 'स्त्रीलिंग , एकवचन, 'पुस्तक ' विशेष्य

16 <u>मजदूरों ने</u> हड़ताल कर दी |

(क) संज्ञा भाववाचक स्त्रीलिंग , बहुवचन ,कर्ताकारक

(ख) संज्ञा व्यक्तिवाचक पुल्लिंग, बहुवचन ,कर्ताकारक

(ग) संज्ञा व्यक्तिवाचक पुल्लिंग, बहुवचन ,कर्ताकारक

(घ) संज्ञा जातिवाचक पुल्लिंग, बहुवचन ,कर्ताकारक

उत्तर - संज्ञा जातिवाचक पुल्लिंग, बहुवचन ,कर्ताकारक

17 <u>सौम्या</u> पत्र लिखती हैं |

(क) संज्ञा जातिवाचक पुल्लिंग एकवचन , कर्ता कारक

(ख) संज्ञा जाति वाचक पुल्लिंग एकवचन , कर्ता कारक

(ग) संज्ञा व्यक्ति वाचक स्त्रीलिंग एकवचन , कर्ता कारक

(घ) संज्ञा भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन , कर्ता कारक

उत्तर - संज्ञा व्यक्ति वाचक स्त्रीलिंग एकवचन , कर्ता कारक

18 पक्षी आकाश में <u>उड़ रहे</u> हैं |

(क) क्रिया , बहुवचन,पुल्लिंग , वर्तमान काल , कर्तृ वाच्य

(ख) क्रिया ,एकवचन , स्त्रीलिंग , भूतकाल ,कर्मवाच्य

(ग) क्रिया , बहुवचन,पुल्लिंग , भविष्यत काल , कर्तृ वाच्य

(घ) क्रिया , बहुवचन,स्त्रीलिंग , वर्तमान काल , कर्तृ वाच्य

उत्तर - क्रिया , बहुवचन,पुल्लिंग , वर्तमान काल , कर्तृ वाच्य

19 आज तुमने <u>थोड़ा सा</u> ही दूध क्यों पिया ?

(क) निश्चित परिमाण वाचक विशेषण , दूध विशेष्य

(ख)अनिश्चित परिमाण वाचक विशेषण , दूध विशेष्य

(ग) अनिश्चित संख्या वाचक विशेषण , दूध विशेष्य

(घ) निश्चित संख्या वाचक विशेषण , दूध विशेष्य

उत्तर - अनिश्चित परिमाण वाचक विशेषण , दूध विशेष्य

20 <u>छात्र</u> पत्र लिख रहा है |

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग,एकवचन, कर्ता कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग,एकवचन, कर्म कारक

(ग) व्यक्ति वाचक संज्ञा, पुल्लिंग,एकवचन, कर्ता कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

उत्तर - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

****

रस

रस – साहित्य का नाम आते ही रस का नाम स्वतः आ जाता है। इसके बिना साहित्य की कल्पना नहीं की जा सकती है। भारतीय साहित्य शास्त्रियों ने साहित्य के लिए रस की अनिवार्यता को समझा और इसे साहित्य के लिए आवश्यक बताया। वास्तव में रस काव्य की आत्मा है।

किसी साहित्य को पढ़कर जब व्यक्ति कविता के भावों से तादात्म्य स्थापित कर लेता है तब इस प्रक्रिया में उसके मन के स्थायी भाव रस में परिणित हो जाते हैं। इस तरह काव्य से जो आनंद प्राप्त होता है वह जीवन के अनुभवों से प्राप्त अनुभवों जैसा होकर भी उससे ऊँचे स्तर को प्राप्त कर लेता है। यह आनंद व्यक्तिगत संकीर्णता से अलग होता है।

परिभाषा-कविता-कहानी को पढने, सुनने और नाटक को देखने से पाठक, श्रोता और दर्शक को जो आनंद प्राप्त होता है, उसे रस कहते हैं।

रस के अंग-रस के चार अंग माने गए हैं –

1. स्थायीभाव
2. विभाव
3. अनुभाव
4. संचारीभाव

1. स्थायीभाव – कविता या नाटक का आनंद लेने से सहृदय के हृदय में भावों का संचार होता है। ये भाव मनुष्य के हृदय में स्थायी रूप से विद्यमान होते हैं। सुषुप्तावस्था में रहने वाले ये भाव साहित्य के आनंद के द्वारा जग जाते हैं और रस में बदल जाते हैं
मानव मन में अनेक तरह के भाव उठते हैं पर साहित्याचार्यों ने इन भावों को मुख्यतया नौ स्थायी भावों में बाँटा है पर
वत्सल भाव को शामिल करने पर इनकी संख्या दस मानी जाती है। ये स्थायीभाव और उनसे संबंधित रस इस प्रकार हैं –

	रस	स्थायी भाव
1.	शृंगार	रति
2.	हास्य	हास
3.	करुण	शोक
4.	रौद्र	क्रोध
5.	वीर	उत्साह
6.	भयानक	भय
7.	वीभत्स	जुगुप्सा (घृणा)
8.	अद्‌भुत	विस्मय
9.	शांत	निर्वेद (वैराग्य)
10.	वात्सल्य	वत्सल

2. विभाव – विभाव का शाब्दिक अर्थ है-भावों को विशेष रूप से जगाने वाला अर्थात् वे कारण, विषय और वस्तुएँ, जो सहृदय के हृदय में सुप्त पड़े भावों को जगा देती हैं और उद्दीप्त करती हैं, उन्हें विभाव कहते हैं।
विभाव के भेद होते हैं –

1**. आलंबन विभाव**-वे वस्तुएँ और विषय, जिनके सहारे भाव उत्पन्न होते हैं, उन्हें आलंबन विभाव कहते हैं।
आलंबन विभाव के दो भेद होते हैं

(क) आश्रय – जिस व्यक्ति या पात्र के हृदय में भावों की उत्पत्ति होती है, उसे आश्रय कहते हैं।

(ख) विषय – जिस विषय-वस्तु के प्रति मन में भावों की उत्पत्ति होती है, उसे विषय कहते हैं। एक उदाहरण देखिए –

अपने भाइयों और साथी राजाओं के एक-एक कर मारे जाने से दुर्योधन विलाप करने लगा। यहाँ 'दुर्योधन' आश्रय तथा 'भाइयों और राजाओं का एक-एक कर मारा जाना' विषय है। दोनों के मेल से आलंबन विभाव बन रहा है।

2. उद्दीपन विभाव-वे वाह्य वातावरण, चेष्टाएँ और अन्य वस्तुएँ जो मन के भावों को उद्दीप्त अर्थात तेज़ करते हैं, उन्हें उद्दीपन विभाव कहते हैं।

इसे उपर्युक्त उदाहरण के माध्यम से समझते हैं –
भाइयों एवं साथी राजाओं की मृत्यु से दुखी एवं विलाप करने वाला दुर्योधन 'आश्रय' है। यहाँ युद्ध के भयानक दृश्य, भाइयों के कटे सिर, घायल साथी राजाओं की चीख-पुकार, हाथ-पैर पटकना आदि क्रियाएँ दुख के भाव को उद्दीप्त कर रही हैं। अतः ये सभी उद्दीपन विभाव हैं।

3. अनुभाव – अनुभाव दो शब्दों 'अनु' और भाव के मेल से बना है। 'अनु' अर्थात् पीछे या बाद में अर्थात् आश्रय के मन में पनपे भाव और उसकी वाह्य चेष्टाएँ अनुभाव कहलाती हैं।
जैसे-चुटकुला सुनकर हँस पड़ना, तालियाँ बजाना आदि चेष्टाएँ अनुभाव हैं।

4. संचारी भाव-आश्रय के चित्त में स्थायी भाव के साथ आते-जाते रहने वाले जो अन्य भाव आते रहते हैं उन्हें संचारी भाव कहते हैं। इनका दूसरा नाम अस्थिर मनोविकार भी है।
चुटकुला सुनने से मन में उत्पन्न खुशी तथा दुर्योधन के मन में उठने वाली दुश्चिंता, शोक, मोह आदि संचारी भाव हैं। संचारी भावों की संख्या 33 मानी जाती है।

संचारी और स्थायी भावों में अंतर –
1. संचारी भाव बनते-बिगड़ते रहते हैं, जबकि स्थायीभाव अंत तक बने रहते हैं।
2. संचारी भाव अनेक रसों के साथ रह सकता है। इसे व्यभिचारी भाव भी कहा जाता है, जबकि प्रत्येक रस का स्थाई भाव एक ही होता है।

रस-निष्पत्ति –

हृदय के स्थायी भाव का जब विभाव, अनुभाव और संचारी भाव से संयोग होता है अर्थात् वे एक दूसरे से मिल-जुल जाते हैं, तब रस की निष्पत्ति होती है। अर्थात्
स्थायीभाव + विभाव + अनुभाव + संचारीभाव = रस की व्युत्पत्ति।

रस के भेद –
रस के भेद और उनके उदाहरण निम्नलिखित हैं –

1. श्रृंगार रस-शृंगार रस का आधार स्त्री-पुरुष का सहज आकर्षण है। स्त्री-पुरुष में सहज रूप से विद्यमान रति नामक स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव और संचारीभाव के संयोग से आनंद लेने योग्य हो जाता है, तब इसे शृंगार रस कहते हैं।
अनुभूतियों के आधार पर शृंगार रस के दो भेद होते हैं –
(क) संयोग शृंगार रस
(ख) वियोग शृंगार रस

(क) संयोग श्रृंगार रस – काव्य में या अन्यत्र जब नायक-नायिका के मिलन का वर्णन होता है, तब वहाँ संयोग शृंगार रस होता
उदाहरण – वर्षा ऋतु में रात्रि के समय बिजली चमक रही है, बादल बरस रहे हैं। दादुरमोर की आवाज़ सुनाई देती है। पद्मावती अपने प्रीतम के संग जागती हुई वर्षा का आनंद ले रही है और बादलों की गर्जना सुनकर चौंककर प्रीतम के सीने से लग जाती है। संयोग शृंगार का वर्णन देखिए

“पदमावति चाहत रितु पाई, गगन सुहावन भूमि सुहाई।
चमक बीजु बरसै जग सोना, दादुर मोर सबद सुठिलोना॥
रंगराती प्रीतम संग जागी, गरजै गगन चौंकि उर लागी।
शीतल बूंद ऊँच चौपारा, हरियर सब देखाइ संसारा॥ (मलिक मोहम्मद जायसी)

यहाँ स्थायीभाव रति (प्रेम) है। रानी पद्मावती आश्रय तथा आलंबन उसका प्रीतम है। बिजली चमकना, दादुर-मोर का बोलना, बादलों का गरजना उद्दीपन विभाव तथा चौंककर सीने से लग जाना डरना संचारी भाव है।

(ख) वियोग श्रृंगार रस-प्रिय से बिछड़कर वियोगावस्था में दिन बिता रहे नायक-नायिका की अवस्था का वर्णन होता है, तब वियोग शृंगार होता है

मनमोहन तै बिछुरी जब सौं,
तन आँसुन सौ सदा धोवती हैं।
हरिश्चंद जू प्रेम के फंद परी
कुल की कुल लाजहि खोवती हैं।
दुख के दिन कोऊ भाँति बितै
विरहागम रंग संजोवती है।

हम ही अपनी दशा जानें सखी,
निसि सोबती है किधौं रोबती हैं। (‘भारतेंदु हरिश्चंद’)

यहाँ स्थायी भाव रति (प्रेम) है। विरहिणी नायिका आश्रय तथा उसका प्रिय (मनमोहन) आलंबन है। विभाव-मिलन के सुखद दिन तथा संचारी भाव-पूर्व मिलन की यादें, दुख आदि, जिनके संयोग से वियोग शृंगार रस की अनुभूति हो रही है।

2. हास्य रस – किसी विचित्र व्यक्ति, वस्तु, आकृति, वेशभूषा, असंगत क्रिया विचार, व्यवहार आदि को देखकर जिस विनोद भाव का संचार होता है, उसे हास कहते हैं। हास के परिपुष्ट होने पर हास्य रस की उत्पत्ति होती है।
उदाहरण – श्रीराम-लक्ष्मण के वन गमन के समय उनके पैरों की रज छूकर शिला बन चुकी अहिल्या जीवित हो उठीं। यह समाचार सुनते ही विंध्याचल पर्वत पर रहने वाले मुनिगण बड़े खुश हुए कि यहाँ की अब सभी शिलाएँ नारी बन जाएँगी –

विंध्य के बासी उदासी तपोव्रत धारी नारि बिना मुनि महा दुखारे ।
गौतम तीय तरी तुलसी सो कथा सुनि भये मुनिवृंद सुखारे।
हवै हैं सिला सब चंद्रमुखी, परसे प्रभु के पदकंज तिहारे।
कीन्हीं भली रघुनायक जो करुणा करि कानन को पग धारे॥

यहाँ विंध्याचल पर तपस्या करने वाले ऋषि-मुनि आश्रय, राम आलंबन हैं, शिलाओं का पत्थर बनने की खबर सुनना विभाव और प्रसन्न होना, राम के वन आगमन को अच्छा समझना संचारी भाव है। इनके निष्पत्ति से हास परिपुष्ट हो रहा है और हास्य रस की उत्पत्ति हो रही है।

3. वीर रस – युद्ध में वीरों की वीरता के वर्णन में वीर रस परिपुष्ट होता है। जब हृदय में उत्साह नामक स्थायी भाव का विभाव, अनुभाव और संचारी भाव से संयोग होता है, तब वीर रस की उत्पत्ति होती है।

उदाहरण – अर्जुन के दूसरे मोर्चे पर युद्धरत होने और कौरवों द्वारा चक्रव्यूह की रचना से चिंतित युधिष्ठिर जब अभिमन्यु को अपनी चिंता बताते हैं तो अभिमन्यु उनसे कहता है

हे सारथे! हे द्रोण क्या, देवेंद्र भी आकर अड़ें,
है खेल क्षत्रिय बालकों का, व्यूह-भेदन कर लड़े।
मैं सत्य कहता हूँ सखे! सुकुमार मत जानो मुझे,
यमराज से भी युद्ध में प्रस्तुत सदा मानो मुझे।

यहाँ आश्रय अभिमन्यु, आलंबन कौरव पक्ष के वीर और उनके द्वारा रचित चक्रव्यूह, उनकी ललकार सुनकर भुजाएँ फड़कना, वचन देना, उत्साहित होना विभाव तथा रणक्षेत्र में जाने को तत्पर होना, रोमांच, उत्सुकता उग्रता संचारीभाव तथा वीर रस की निष्पत्ति हुई है।

4. रौद्र रस – क्रोध की अधिकता से उत्पन्न इंद्रियों की प्रबलता को रौद्र कहते हैं। जब इस क्रोध का मेल विभाव, अनुभाव और संचारीभाव से होता है, तब रौद्ररस की निष्पत्ति होती है।
उदाहरण-सीता स्वयंवर के अवसर पर धनुष भंग होने की खबर सुनते ही परशुराम स्वयंवर स्थल पर आए। लक्ष्मण के वचनों ने उनके क्रोध को और भी भड़का दिया। वे रौद्र रूप धारण कर कहने लगे –

अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू। कटुवादी बालक वध जोगू॥
बाल विलोकि बहुत मैं बाँचा। अब येहु मरनहार भा साँचा॥
खर कुठार मैं अकरुन कोही। आगे अपराधी गुरुद्रोही॥
उत्तर देत छोडौं बिनु मारे। केवल कौशिक सील तुम्हारे ॥
न त येहि काटि कुठार कठोरे। गुरहि उरिन होतेउँ भ्रम थोरे ॥

यहाँ स्थायी भाव क्रोध है, आश्रय-परशुराम, आलंबन-कटुवादी लक्ष्मण है एवं परशुराम का कठोर वचन उच्चारण अनुभाव है एवं आवेग, उग्रता, चपलता आदि संचारी भाव है। इनके संयोग से रौद्र रस की निष्पत्ति हुई है।

5. भयानक रस – डरावने दृश्य देखकर मन में भय उत्पन्न होता है। जब भय नामक स्थायीभाव का मेल विभाव, अनुभाव और संचारी भाव से होता है, तब भयानक रस उत्पन्न होता है।
उदाहरण – प्रलय का एक भयानक चित्र देखिए –
पंचभूत का वैभव मिश्रण झंझाओं का सकल निपातु,
उल्का लेकर सकल शक्तियाँ, खोज रही थीं खोया प्रात।
धंसती धरा धधकती ज्वाला, ज्वालामुखियों के निःश्वास;
और संकुचित क्रमशः उसके अवयव का होता था ह्रास।

यहाँ – स्थायीभाव – भय, आश्रय स्वयं मनु हैं जो प्रलय की भयंकरता देख रहे हैं, आलंबन-प्रलय का प्रकोप, अनुभाव-भयभीत होना, उद्दीपन-धधकती ज्वालाएँ, धरा का धंसते जाना, ज्वालामुखी में सब कुछ नष्ट होना तथा संचारी भाव-शंका, भय आदि हैं, जिनके संयोग से भयानक रस की निष्पत्ति हुई है।

6. करुण रस – प्रिय जन की पीड़ा, मृत्यु, वांछित वस्तु का न मिलना, अनिष्ट होना आदि से शोकभाव परिपुष्ट होता है तब वहाँ करुण रस होता है।

उदाहरण – दुलारों में नित पाली हुई, प्रेम की प्रतिभा वह प्यारी।
खिलौना इस घर की वह हाय, वही थी सरला सुकुमारी।
अरे! कोई यह दीन पुकार, कहीं यदि सुनता हो कोई।
मुझे दिखला दे मेरा प्राण, जगा दे फिर किस्मत सोई ॥

यहाँ – स्थायी भाव-शोक, आश्रय-जिससे हृदय का भाव जाग्रत हो, आलंबन – मृत प्रियजन और नाश को प्राप्त ऐश्वर्य। उद्दीपन – प्रिय केशव दर्शन, चिता जलाना उससे संबंधित वस्तुओं एवं अन्य रोते हुए बांधवों का दर्शन, अत्याचार आदि। अनुभाव – विलाप, रोदन, भाग्य की निंदा, प्रलाप आदि। संचारी भाव – मोह ग्लानि चिंता विषाद आदि।

7. वीभत्स रस – वीभत्स का स्थायी भाव जुगुप्सा है। अत्यंत गंदे और घृणित दृश्य वीभत्स रस की उत्पत्ति करते हैं। गंदी और घृणित वस्तुओं के वर्णन से जब घृणा भाव पुष्ट होता है तब यह रस उत्पन्न होता है।

उदाहरण – हाथ में घाव थे चार
थी उनमें मवाद भरमार
मक्खी उन पर भिनक रही थी,
कुछ पाने को टूट पड़ी थी
उसी हाथ से कौर उठाता
घृणा से मेरा मन भर जाता।

यहाँ – स्थायीभाव – जुगुप्सा (घृणा) है,
आश्रय – जिसके मन में घृणा हो,
आलंबन – घाव, मवाद भिनभिनाती मक्खियाँ ।
उद्दीपन – घाव-मवाद युक्त हाथ से भोजन करना
अनुभाव – नाक-मुँह सिकोड़ना, घृणा करना, थूकना
संचारी भाव – ग्लानि दैन्य आदि।

8. अद्भुत रस – जब किसी वस्तु का वर्णन आश्चर्य उत्पन्न करता है, तब अद्भुत रस उत्पन्न होता है।

उदाहरण – अखिल भुवन चर-अचर सब हरि मुख में लखि मातु।

चकित भई गदगद् वचन, विकसत दृग पुलकातु॥

यहाँ-स्थायी भाव-विस्मय है। आश्रय-माता यशोदा तथा आलंबन-बालक श्री कृष्ण का मुख, मुख के भीतर का दृश्य उद्दीपन। आँखों का फैलना, गदगद वचन बोलना अनुभाव, भय संचारीभाव है। इनके संयोग से अद्भुत रस की उत्पत्ति हुई है।

9. शांत रस – जब चित्त शांत दशा में होता है तब शांत रस उत्पन्न होता है। इसका स्थायी भाव निर्वेद है।

उदाहरण – अब लौं नसानी अब न नसैहौं।
राम कृपा भव निशा सिरानी, जागे फिर न डसैहौं।
पायो नाम चारु चिंतामनि, उर करतें न खसैहौं।
श्याम रूप सुनि रुचिर कसौटी चित्त कंचनहि कसैहौं।
परबस जानि हँस्यो इन इंद्रिय निज बस हवै न हसैहौं।
मन मधुकर पनकरि तुलसी रघुपति पद कमल बसैहौं।

यहाँ-स्थायीभाव-निर्वेद, उद्दीपन विभाव-संसार की क्षणभंगुरता, सारहीनता, इंद्रियों द्वारा उपहास, अनुभाव-राम के चरणों में मन लगना, संचारी भाव-दृढ़ प्रतिज्ञ मति होना आदि के संयोग से निर्वेद नामक स्थायी भाव पुष्ट होकर शांत रस को प्राप्त हुआ है।

10. वात्सल्य रस – छोटे बच्चों के प्रति स्नेह के चित्रण में वात्सल्य रस उत्पन्न होता है। हृदय में 'वत्सल' नामक स्थायी भाव का मेल विभाव, अनुभाव और संचारी भाव से होता है, तब वात्सल्य रस परिपुष्ट होता है।

उदाहरण – मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो।
भोर भयो गैयन के पाछे मधुवन मोहि पठायो।
चार पहर वंशी वन भटक्यो साँझ परे घर आयो।
ग्वाल-बाल सब बैर पड़े हैं, वरबस मुख लपटायो।
मैं बालक बहियन को छोरो, छीको केहि विधि पायो।
सूरदास तब बिहँसि यशोमति मैं उर कंठ लगायो॥

यहाँ – स्थायीभाव-वत्सल, आश्रय – माता यशोदा, आलंबन – श्री कृष्ण, उद्दीपन – श्रीकृष्ण के मुख पर लगा मक्खन, अनुभाव-यशोदा के मन में शंका, जिज्ञासा प्रकट करना, संचारी भाव – यशोदा का हर्षित होना आदि के संयोग से वात्सल्य रस परिपुष्ट हुआ है।

अभ्यास प्रश्न

निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में निहित रस का नाम बताइए

1. दूलह श्री रघुनाथ बने, दुलही सिय सुंदर मंदिर माही। ।
गावत गीत सबै मिलि सुंदरि वेद जुआ जुरि विप्र पढ़ाही। |
राम को रूप निहारति जानकी कंगन के नग की परछाहीं॥
याते सबै सुधि भूलि गई कर टेकि रही पल टारति नाहीं॥

2. बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंहिं करै भौहन हँसै, देन कहे नरिजाय ॥

3. कहत, नटत रीझत खिझत हँसत मिलत लजियात।
भरे भौन में करत हैं नयनन ही सो बात॥

4. खद्दर कुरता भकभकौ, नेता जैसी चाल।
येहि बानक मो मन बसौ, सदा विहारी लाल॥

5. तन मन सेजि जरै अगि दाहू। सब कहँ चंद भयउ मोहिराहू॥
चहूँ खंड लागे अँधियारा। जो घर नाही कंत पियारा॥

6. भाषे लखन कुटिल भई भौंहें।
रद फुट फरकट नैन रिसौंहें ।

7. जाके प्रिय न राम बैदेही।
तजिए उसे कोटि बैरी सम जद्यपि परम सनेही।
तज्योपिता प्रहलाद, विभीषण बंधु, भरत महतारी।
बलि गुरु तज्यो कंत ब्रज बनितनि, भय मुद-मंगलकारी।
नाते नेह राम के मनियत सुहृद सुसेव्य जहाँ लौं।
अंजन कहा आँखि जेहि फूटै बहुतक कहौ कहाँ लौं।
तुलसी सो सब भाँति परम हित पूज्य प्रान ते प्यारो।
जासो होत सनेह राम पद ऐतो मतो हमारे ॥

8. पौरि के किंवार देत धरै सबै गारिदेत
साधुन को दोष देत प्राति न चहत हैं।
माँगते को ज्वाब देत, बात कहै रोयदेत,
लेत-देत भाज देत ऐसे निबहत है।
मागेहुँ के बंद देत बारन की गाँठ देत
धोती की काँछ देत देतई रहत है।
ऐसे पै सबैई कहै, दाऊ, कछू देत नाहि,
दाऊ जो आठो याम देतई रहत है।

9. राम नाम मणि दीप धरि, जीह देहरी द्वार।
तुलसी बाहर भीतरेहु जो चाहत उजियार ॥

10. ‘ यशोदा हरि पालने झुलावे।
हलरावै दुलराइ मल्हावै, जोइ सोइ कछु गावै।
मेरे लाल को आउ निदरिया काहे न आनि सोवावै।
तू काहे ना बेगि सो आवै तोको कान्ह बुलावै।

11. सखिन्ह रचा पिउ संग हिंडोला। हरियल भूमि कुसुंभी चोला॥
हिय हिंडोल अस डोले मोरा। विरह झुलाइ देत झकझोरा ॥

12. मेरी भवबाधा हरो, राधा नागरि सोय।
जा तन की झांई परे, स्याम हरित दुति होय॥

13. बाने फहराने घहराने घंटा गजन के,
नाही ठहराने, राव राने देश-देश के।
नग भहराने, ग्राम नगर पराने सुनि,
बाजत निसाने शिवराज जू नरेश के।
हाथिन के हौदा उकसाने कुंभ कुंजर के
मौन की भजाने अलि छूटे लट केश के।
दल के दरारन ते कमठ करारे फूटे,
केरा कैसे पात विहराने फन सेस के॥

14. चूरन खावै एडीटर जात,
जिनके पेट पचै नहिं बात।
चूरन पुलिस वाले खाते,
सब कानून हज़म कर जाते।
साँच कहै ते पनही खावै,
झूठे बहु विधि पदवी पावै।

15. निज दरेर सौ पौन पटल फारति फहरावति।
सुर-पुरते अति सघन घोर घन धसि धवरावति॥
चली धार धुधकार धरादिशि काटत कावा।
सगर सुतन के पाप ताप पर बोलति धावा।

16. स्वानों को मिलता दूध भात भूखे बालक अकुलाते हैं।
माँ की हड्डी से चिपक ठिठुर, जाड़े की रात बिताते हैं।
युवती की लज्जा वसन बेच जब ब्याज चुकाए जाते हैं।
मालिक तब तेल फुलेलों पर पानी सा द्रव्य बहाते हैं।

17. बिनु गोपाल बैरिन भई कुंजै।
तब ये लता लगति अति शीतल जबभई विषम ज्वाल की पुंजै।
वृथा बहति जमुना खग बोलत वृथा कमल फूलैं अलि गुंजै।
पवन पानि धनसारि संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजै।
हे ऊधव कहिए माधव सो विरह विरद कर मारत लुंजै।
सूरदास प्रभु को मग जोहत अखियाँ भई बरनि ज्यों गुंजै।

18. चरन कमल बंदी हरि राई ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघे, अंधे को सब कुछ दरसाई।
बहिरौ सुनै गूंग पुनि बोलै, रंक चले सिर छत्र धराई ।
सूरदास स्वामी करुनामय बार-बार बंदौ तिहि पाई॥

19. हे खग, हे मृग मधुकर श्रेनी
तुम्ह देखी सीता मृग नैनी॥

20. लता ओट तब सखिन्ह लखाए। स्यामल गौर किसोर सुहाए।
देख रूप लोचन ललचाने । हरसे जनुनिज निधि पहचाने।
थके नयन रघुपति छबि देखी। पलकनि हूँ परिहरी निमेषी।
अधिक सनेह देहभइ भोरी। सरद ससिहिं जनु चितव चकोरी।
लोचन मग रामहि उर आनी। दीन्हें पलक कपाट सयानी॥

उत्तर:

1. संयोग शृंगार रस
2. संयोग शृंगार रस
3. संयोग शृंगार रस
4. हास्य रस
5. वियोग शृंगार रस
6. रौद्र रस
7. शांत रस
8. हास्य रस
9. शांत रस
10. वात्सल्य रस
11. वियोग शृंगार रस
12. शांत रस
13. वीर रस
14. हास्य रस
15. वीर रस
16. करुण रस
17. वियोग शृंगार रस
18. शांत रस
19. वियोग शृंगार रस
20. संयोग शृंगार रस

बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न

1. (क) काव्यांश का रस पहचानकर उसका नाम लिखिए –

1. कहत नटत रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं नैनन ही सों बात

2. जगी उसी क्षण विद्युज्ज्वाला,
गरज उठे होकर वे क्रुद्ध;
"आज काल के भी विरुद्ध है
युद्ध-युद्ध बस मेरा युद्ध।"

3. कौरवों को श्राद्ध करने के लिए,
या कि रोने को चिता के सामने,
शेष अब है रह गया कोई नहीं.
एक वृद्धा, एक अंधे के सिवा।

उत्तरः

1.संयोग शृंगार रस
2.भयानक रस
3.करुण रस

(ख) काव्यांश में कौन-सा स्थायी भाव है?
संकटों से वीर घबराते नहीं,
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम में, पूरा किया
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।

उत्तरः

स्थायी भाव – उत्साह

2. (क) निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर रस पहचानकर लिखिए –

1. पड़ी थी बिजली-सी विकराल, लपेटे थे घन जैसे बाल।
कौन छेड़े ये काले साँप, अवनिपति उठे अचानक काँप।

2. कहीं लाश बिखरी गलियों में
कहीं चील बैठी लाशों में।

3. उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उनका लगा।
मानो हवा के ज़ोर से सोता हुआ सागर जगा।

उत्तरः1.अद्भुत रस 2.वीभत्स रस 3.रौद्र रस
(ख) निम्नलिखित काव्यांश में कौन-सा स्थायी भाव है?
वह मधुर यमुना कि जिसमें,
स्निग्ध दृग का जल बहा है।
वह मधुर ब्रजभूमि जिसको,
कृष्ण के उर ने वरा है।
उत्तरः शांत रस

3. (क) निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर रस पहचानकर लिखिए –
1. कहत, नटत, रीझत, खिझत
मिलत, खिलत, लजियात
भरे भवन में करते हैं
नैननि ही सौं बात।

2. एक ओर अजगरहिं लखि एक ओर मृगराय।
विकल बटोही बीच ही, पर्यो मूरछा खाय।

3. एक मित्र बोले "लाला तुम किस चक्की का खाते हो?
इतने महँगे राशन में भी, तुम तोंद बढ़ाए जाते हो।"

उत्तरः 1.संयोग शृंगार रस 2.भयानक रस 3.हास्य रस

4. (क) काव्य पंक्तियों को ध्यानपूर्वक पढ़कर रस का निर्णय कीजिए।

1. निसदिन बरसत नैन हमारे।
सदा रहत पावस ऋतु हम पै जब ते स्याम सिधारे।

2. हँसि हँसि भाजै देखि दूलह दिगंबर को
पाहुनी जे आँखें हिमाचल के उछाह में।

3. रे नृप बालक काल बस, बोलत तोहि न संभार।

उत्तरः 1.शांत रस 2.हास्य रस 3.रौद्र रस

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 स्थायी भावों की कुल संख्या है?
(अ) 11 (ब) 8 (स) 9 (द)10
उत्तरः(स) 9
प्रश्न 2 शांत रस का स्थाई भाव है ?
(अ)निर्वेद (ब)हास
(स)शोक (द)जुगुप्सा
उत्तरः (अ)निर्वेद
प्रश्न 3 श्रृंगार रस का स्थाई भाव है ?
(अ)उत्साह (ब)क्रोध
(स)रति (द)शोक
उत्तरः (अ)निर्वेद
प्रश्न 4 तिलक अरे मैं निहारू । इन दातों पर मोती वारूँ ॥
इन पंक्तियों में कौन सा रस है
(अ)वात्सल्य (ब)शांत
(स)अद्भुत (द)वीर
उत्तरः(ब)शांत
प्रश्न 5 सर्वश्रेष्ठ रस किसे माना जाता है ?
(अ)वीर रस (ब)रौद्र रस
(स)करुण रस (द)शृंगार

उत्तरः(द)शृंगार

प्रश्न 6 मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा ना कोई ।

जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई ।। इन पंक्तियों में कौन सा रस है ?

(अ) हास्य (ब)शांत

(स)करुण (द)शृंगार

उत्तरः(द)शृंगार

प्रश्न 7 रस कितने प्रकार के होते हैं?

(अ) 11 (ब) 8 (स) 9 (द)10

उत्तरः (स) 9

प्रश्न 8 उस काल मारे क्रोध के, तन कांपने उसका लगा ।मानो हवा के जोर से, सोता हुआ सागर जगा ।। इन पंक्तियों में कौन सा रस है ?

(अ)रौद्र रस (ब)करुण रस

(स)अद्भुत रस (द)वीर

उत्तरः(अ)रौद्र रस

प्रश्न 9 मनकी उतप्त वेदना, मन ही मन में बहती थी। चुप रहकर अंतर्मन में, कुछ मौन व्यथा कहती थी।। दुर्गम पथ पर चलने का, वह संभल छूट गया था । अविचल, अविकल वह प्राणी, भीतर से टूट गया था।। **इन पंक्तियों में कौन सा रस है?**

(अ)करुण (ब)वीर

(स)वात्सल्य (द)शांत

उत्तरः (अ)करुण

प्रश्न 10 'वाक्य रसात्मकं काव्यं' किसका कथन है ?

(अ)आचार्य रामचंद्र शुक्ल (ब)विश्वनाथ

(स)आचार्य मम्मट (द)भरतमुनि

उत्तरः (ब)विश्वनाथ

प्रश्न 11 रस संप्रदाय का प्रवर्तक माना जाता है ?

(अ)भरतमुनि (ब)आचार्य मम्मट

(स)आचार्य रामचंद्र शुक्ल (द)विश्वनाथ

उत्तरः(अ)भरतमुनि

प्रश्न 12 "विभावानुभाव व्यभिचारिसंयोगाद रस निष्पतिः" किसका कथन है ?

(अ)आचार्य विश्वनाथ (ब)आचार्य भरतमुनि

(स)आचार्य मम्मट (द)आचार्य रामचंद्र शुक्ल

उत्तरः(ब)आचार्य भरतमुनि

प्रश्न 13 वीर रस का स्थाई भाव है-

(अ) उत्साह (ब)क्रोध (स) निर्वेद (द) वात्सल्य

उत्तरः (अ) उत्साह

प्रश्न 14 विस्मय स्थायी भाव किस रस में होता है ?

(अ) हास्य (ब) शांत

(स) अद्भुत (द) वीभत्स

उत्तरः(स) अद्भुत

प्रश्न 15 रस में आश्रय की चेष्टाएँ क्या कहलाती है ?

(अ) भाव (ब) विभाव

(स) अनुभाव (द)संचारी भाव

उत्तरः (स) अनुभाव

प्रश्न 16 किस रस को रसराज कहा जाता है ?

(अ) हास्य रस (ब) भयानक रस

(स) श्रृंगार रस (द) अद्भुत रस

उत्तरः(स) श्रृंगार रस

प्रश्न 17 संचारी भावो की संख्या कितनी होती है ?

(अ) 25 (ब) 33 (स) 11 (द) 9

उत्तरः(ब) 33

प्रश्न 18 भरतमुनि ने अपने रस सूत्र में किसका उल्लेख नहीं किया है ?

(अ) स्थायी भाव (ब) विभाव

(स) भक्ति (द) व्यभिचारी भाव

उत्तरः(स) भक्ति

प्रश्न 19 रस का शाब्दिक अर्थ है ?

(अ) घृणा (ब) आनंद (स) दुःख (द) क्रोध

उत्तरः (ब) आनंद

प्रश्न 20 जिसके मन में स्थायी भाव जाग्रत होत्ते है,उसे कहते है?

(अ) आश्रय (ब) आलंबन (स)उद्दीपन (द)अनुभाव

उत्तरः(अ) आश्रय

पाठ नेताजी का चश्मा

1.हालदार साहब ने दूसरी बार मूर्ति में क्या अंतर देखा ?

क मूर्ति की आंखों पर चश्मा नहीं था

ख मूर्ति की आंखों पर लगा चश्मा बदल गया था मूर्ति की आंखों पर सरकंडे का चश्मा था

ग मूर्ति की चश्मा टूट गया था

उत्तर- मूर्ति की आंखों पर लगा चश्मा बदल गया था

2नेता जी की मूर्ति किसने बनाई थी ?

क हालदार साहब ने

ख ड्राइंग मास्टर ने

ग लेखक ने

घ कैप्टन चश्मे वाला ने

उत्तर- ड्राइंग मास्टर ने

3अंतिम बार हालदार साहब ने नेता जी की मूर्ति पर कौन सा चश्मा देखा था ?

क प्लास्टिक का चश्मा

ख सरकंडे का चश्मा

ग चांदी का चश्मा

घ लोहे का चश्मl

उत्तर- सरकंडे का चश्मा

4 मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है?

क. ज्ञान प्राप्ति की उम्मीद

ख नई पीढ़ी में देशभक्ति की उम्मीद

ग देश की तरक्की की उम्मीद

घ नौकरी प्राप्त करने की उम्मीद

उत्तर- नई पीढ़ी में देशभक्ति की उम्मीद

5.नेताजी का चश्मा पाठ किस महान व्यक्ति के बारे में है?

क डाक्टर ए पी जे अब्दुल कलाम

ख रविन्द्र नाथ टैगोर

ग सुभाष चंद्रबोस

घ डाक्टर राजेंद्रप्रसाद

उत्तर -सुभाष चंद्रबोस

6.मूर्ति की कौन सी कमी सबको खटकती थी ?

क मूर्ति दर्शनीय थी

ख मूर्ति की आंखों पर चश्मा नहीं था

ग मूर्ति मिट्टी से बनी थी

घ मूर्ति फौजी वर्दी में थी

उत्तर- मूर्ति की आंखों पर चश्मा नहीं था

7.नेताजी की प्रतिमा किस चीज की बनी थी?

क ग्रेनाइट की

ख मोम की

ग संगमरमर की

घ मिट्टी की

उत्तर- संगमरमर की

8.पानवाला उदास क्यों हो गया था ?

क मूर्ति की आंखों पर चश्मा नहीं था

ख कैप्टन मर गया था

ग नेताजी की आंखों पर संगमरमर का चश्मा नहीं था

घ जीप ड्राइवर मर गया था

उत्तर- कैप्टन मर गया था

9 नेता जी की मूर्ति पर चश्मा कौन बदलता था?

क हालदार साहब

ख कैप्टन चश्मे वाला

ग मूर्तिकार मास्टर

घ पान वाला

उत्तर- कैप्टन चश्मे वाला

10.हालदार साहब ने ऐसा क्यों कहा कि, "चौराहे पर रुकना नहीं,
आज बहुत काम है और आगे कहीं खा लेंगे "?

क क्योंकि अब उस कस्बे में उनका काम नहीं था नेताजी की बगैर चश्मे वाली

ख मूर्ति देखकर उनको दुख होता था

ग उन्हें बहुत जल्दी ही जाना था

घ वे पान खाना नहीं चाहते थे

उत्तर- नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति देखकर उनको दुख होता था

11.नेताजी का चश्मा पाठ में पान वाला किस तरह का व्यक्ति था ?

क तुनुकमिजाज और चिड़चिड़ा स्वभाव का व्यक्ति था

ख भावुक और सबकी मदद करने वाला व्यक्ति था एक देशभक्त व्यक्ति था

घ एक मोटा हंसमुख और खुशमिजाज व्यक्ति था

उत्तर एक मोटा हंसमुख और खुशमिजाज व्यक्ति था

12.नेताजी की प्रतिमा चौराहे पर किसने लगवाई थी ?

क कैप्टन चश्मे वाले ने

ख नगरपालिका के प्रशासनिक अधिकारी ने हालदार साहब ने

घ वाले ने

उत्तर- नगरपालिका के प्रशासनिक अधिकारी ने

13.सेनानी न होते हुए भी लोग चश्मे वाले को कैप्टन क्यों कहते थे ?

क उसका नाम कैप्टन था

ख उसने आजादी की लड़ाई में भाग लिया था

ग वह एक देशभक्त था

घ कोई विकल्प सही नहीं है

उत्तर -वह एक देश भक्त था

14.हालदार साहब के चेहरे पर कौतुकभरी मुस्कान क्यों फैल गई ?

क नेता जी की मूर्ति को देखकर

ख पान वाले को देखकर

ग नेता जी के चेहरे पर काले प्रेम के सचमुच के चश्मे को देखकर

घ उपर्युक्त सभी

उत्तर- नेताजी के चेहरे पर काले फ्रेम के सचमुच के चश्मे को देखकर

15.हालदार साहब को क्या आदत थी ?

क पान खाना और मूर्ति को देखना

ख मूर्ति पर चश्मा लगाना

ग चाय पीना और लोगों से बातें करना

घ उपर्युक्त में से कोई विकल्प सही नहीं है

उत्तर- पान खाना और मूर्ति को देखना

16.कैप्टन को देखकर हालदार साहब अवाक क्यों रह गए ?

क क्योंकि कैप्टन एक युवा आदमी था

ख कैप्टन सचमुच का कैप्टन था

ग कैप्टन बूढ़ा,मरियल सा तथा लंगड़ा आदमी था

घ कैप्टन बहुत बहादुर था

उत्तर --कैप्टन बूढ़ा मरियल सा तथा लंगड़ा आदमी था

17.कहानीकार स्वयं प्रकाश जी का जन्म कब हुआ ?

क सन 1947में

ख सन1945 में

ग सन 1946में

घ सन 1943 में

उत्तर- सन1947में

18. हालदार साहब किस सिलसिले में उस कस्बे से गुजरते थे ?

क पान खाने के लिए

ख मूर्ति को देखने के लिए

ग कंपनी के काम से

घ कैप्टन चश्मे वाले को देखने के लिए

उत्तर-- कंपनी के काम से

19.पाठ के लेखक का क्या नाम है?

क यशपाल

ख रामकृष्ण बेनीपुरी

ग स्वयं प्रकाश

घ प्रेमचंद

उत्तर-- स्वयं प्रकाश

20 निम्नलिखित में से कौनसी रचना स्वयं प्रकाश जी की नहीं है?

क सूरज कब निकलेगा

ख गोदान

ग आदमी जत का आदमी

घ आयेंगे अच्छे दिन भी

उत्तर --गोदान

बालगोबिन भगत

रामवृक्ष बेनीपुरी का जीवन परिचय

इस पाठ के लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी हैं। रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म सन 1899 में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बेनीपुर गांव में हुआ था। बचपन में ही उनके माता पिता का निधन हो गया जिस कारण उनका बचपन अभावों , कठिनाइयों और संघर्षों में बीता।

दसवीं तक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे सन् 1920 में भारतीय राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन से सक्रिय रूप से जुड़ गए। इस दौरान वो कई बार भी जेल गए। उनकी मृत्यु सन 1968 में हुई।

रचनाएं

रामवृक्ष बेनीपुरी की रचनाएं महज 15 वर्ष की अवस्था में ही अनेक पत्र-पत्रिकाओं में छपने लगी। वो बेहद प्रतिभाशाली पत्रकार भी थे।उनकी रचनाओं में स्वाधीनता की चेतना , मनुष्यता की चिंता और इतिहास का युगानुरूप व्याख्या है। विशिष्ट शैलीकर होने के कारण उन्हें **"कलम का जादूगर"** भी कहा जाता है।

संपादन कार्य –

उन्होंने अनेक दैनिक , साप्ताहिक एवं मासिक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन भी किया जिनमें **तरुण भारत , किसान मित्र , बालक , युवक , योगी , जनता , जनवाणी और नई धारा** प्रमुख हैं।

साहित्य

बेनीपुरी रचनावली – उनका पूरा साहित्य बेनीपुरी रचनावली के आठ खंडों में प्रकाशित है।

उपन्यास – पतियों के देश में

कहानी – चिता के फूल

नाटक – अंबपाली

रेखा चित्र – माटी की मूरतें

यात्रा वृतांत – पैरों में पंख बांधकर

संस्मरण – जंजीरें और दीवारें

बालगोबिन भगत बहुविकल्पी प्रश्न

1. बालगोबिन भगत आत्मा और परमात्मा के बीच कौन-सा संबंध मानते थे?

A. पिता-पुत्री

B. प्रेमी-प्रेमिका

C. बहन-भाई

D. माँ-बेटा

उत्तर= B. प्रेमी-प्रेमिका

2. बेटे की मृत्यु के पश्चात् बालगोबिन भगत की आखिरी दलील क्या थी?

A. पतोहू का पुनर्विवाह करवाना

B. पतोहू को शिक्षा दिलवाना

C. पतोहू को घर से निकालना

D. पतोहू से घृणा करना

उत्तर - A. पतोहू का पुनर्विवाह करवाना

3. बालगोबिन भगत की मृत्यु का क्या कारण था?

A. दुर्घटना

B. बीमारी

C. भूख

D. बेटे की मृत्यु की चिंता

उत्तर-B. बीमारी

4. बालगोबिन भगत के गाँव के लोगों का मुख्य धंधा क्या था?

A. व्यापार

B. पठन-पाठन

C. खेतीबाड़ी

D. दस्तकारी

उत्तर- C. खेतीबाड़ी

5. 'बालगोबिन भगत' शीर्षक पाठ के लेखक का क्या नाम है?

A. यशपाल

B. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

C. रामवृक्ष बेनीपुरी

D. स्वयं प्रकाश

उत्तर - C. रामवृक्ष बेनीपुरी

6. बालगोबिन भगत की आयु कितनी थी?

A. 50 वर्ष

B. 60 वर्ष से अधिक

C. 70 वर्ष

D. 80 वर्ष

उत्तर = B. 60 वर्ष से अधिक

7. बालगोबिन की टोपी कैसी थी?

A. सूरदास जैसी

B. जैन मुनियों जैसी

C. कबीरपंथियों जैसी

D. गांधी की टोपी जैसी

उत्तर C. कबीरपंथियों जैसी

8. बालगोबिन कबीर को क्या मानते थे?

A. साहब

B. गुरु

C. शिष्य

D. मित्र

उत्तर A. साहब

9. बालगोबिन भगत किनके आदर्शों पर चलते थे?

A. सूरदास के

B. तुलसीदास के

C. कबीरदास के

D. मीराबाई के

उत्तर C. कबीरदास के

10. बालगोबिन भगत अपनी फसल को पहले कहाँ ले जाते थे?

A. मंदिर में

B. गुरुद्वारे में

C. मस्जिद में

D. कबीरपंथी मठ में

उत्तर D. कबीरपंथी मठ में

11. लेखक बालगोबिन भगत की किस विशेषता पर अत्यधिक मुग्ध था?

A. पहनावे पर

B. भोजन पर

C. मधुर गान पर

D. व्यवहार पर

उत्तर C. मधुर गान पर

12. लेखक ने 'रोपनी' किसे कहा है?

A. रोपण को

B. धान की रोपाई को

C. धान की कटाई को

D. धान की खेती को

उत्तरB. धान की रोपाई को

13. बालगोबिन भगत खेत में क्या करते हैं?

A. केवल गीत गाता हैं

B. खेत की मेंड़ पर बैठते हैं

C. धान के पौधे लगाते हैं

D. उपदेश देते हैं

उत्तरC. धान के पौधे लगाते हैं

14. बालगोबिन भगत के संगीत को लेखक ने क्या कहा है?

A. बीन

B. लहर

C. उपदेश

D. जादू

उत्तरD. जादू

15. बालगोबिन भगत के गीतों में कौन-सा भाव व्यक्त होता था?

A. श्रृंगार का भाव

B. विरह का भाव

C. ईश्वर भक्ति का भाव

D. वैराग्य का भाव

उत्तरC. ईश्वर भक्ति का भाव

16. 'तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफ़िर जाग ज़रा!' इस पंक्ति में मुसाफ़िर किसे कहा गया है?

A. यात्री को

B. मनुष्य को

C. पथिक को

D. बालक को

उत्तर B. मनुष्य को

17. कातिक मास आने पर बालगोबिन भगत क्या करने लगते थे?

A. प्रभातफेरी शुरू करने लगते

B. गंगा-स्नान करने लगते

C. भजन करने लगते

D. सत्संग करने लगते

उत्तर A. प्रभातफेरी शुरू करने लगते

18. लेखक ने 'लोही' किसे कहा है?

A. ओढ़ने वाले कपड़े को

B. प्रातःकाल की लालिमा को

C. तारों भरी रात को

D. चाँदनी रात को

उत्तर= B. प्रातःकाल की लालिमा को

19. बालगोबिन भगत किसे 'निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार' मानते थे?

A. बालकों को

B. नारियों को

C. कमजोर व्यक्तियों को

D. शक्तिशाली व्यक्तियों को

उत्तर C. कमजोर व्यक्तियों को

अपठित पद्यांश

1. पैदा करती कलम विचारों के जलते अंगारे,
और प्रज्वलित प्राण देश कया कभी मरेगा मारे?
लहू गर्म करने को रक्खो मन में ज्वलित विचार,
हिंसक जीव से बचने को चाहिए किंतु तलवार ।
एक भेद है और जहाँ निर्भय होते नर-नारी
कलम उगलती आग, जहाँ अक्षर बनते चिंगारी
जहाँ मनुष्यों के भीतर हरदम जलते हैं शोले,
बातों में बिजली होती, होते दिमाग में गोले।
जहाँ लोग पालते लहू में हालाहल की धार
क्या चिंता यदि वहाँ हाथ में हुई नहीं तलवार?

प्रश्नः

1.कलम किस की प्रतीक है?

(क) विचारों की (ख) सफलता की (ग) आवश्यकता की (घ) हिंसा की

उत्तर - क

2.तलवार की आवश्यकता कहाँ पड़ती है?

(क) रक्षा के लिए (ख) हिंसा के लिए (ग) प्रेम के लिए (घ)बलिदान के लिए

उत्तर क

3.लहू को गरम करने से कवि का क्या आशय है?

(क)विचारों के तेज करने से (ख) पलायन करने से

(ग) बदला लेने से (ग आग जलाने से

उत्तर क

4.कैसे व्यक्ति को तलवार की आवश्यकता नहीं होती?

(क) कमजोर व्यक्ति को (ख) पहलवान को (ग) पढे-लिखे व्यक्ति को (घ) योद्धा को

उत्तर . ग

2 . हम तौ एक –एक करि जानां |

दोइ कहैं तिनहीं कौ दोजग जिन नाहिंन पहिचानां ||

एकै पवन एक ही पानी एकै जोति समानां |

एकै खाक गढ़े सब भांडै एकै कोंहरा सांना ||

जैसे बाढी काष्ट ही काटें अग्नि न काटे कोई |

सब घटि अंतर तूँ ही व्यापक धरै सरूपे सोई ||

माया देखि के जगत लुभांना काहे रे नर गरबांना |

निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवांना ||

(1) कबीर ने ईश्वर के बारे में कौनसे मत को स्वीकार किया है ?

(क) एकेश्वरवाद (ख) बहुदेववाद (ग) द्वैताद्वेत्वाद (घ) विशिष्टाद्वैतवाद

(2) कबीरने ``जैसे बाढी काष्ट ही काटे अग्नि न काटे कोई`` पंक्ति के माध्य से क्या स्पष्ट करना चाहा है ?

(क) ईश्वर की सर्वव्यापकता को (ख) माया के प्रभाव को (ग) घमंड को (घ) इनमें से कोई नहीं

(3) कबीर के अनुसार व्यक्ति को घमंड कब होता है ?

(क) माया के वशीभूत होने पर (ख) धन आने पर (ग) पद प्राप्ति पर (घ) ताकत मिलने पर

(4) निर्भय होने पर क्या नहीं व्यापता ?

(क) माया प्रभाव (ख) ज्ञान (ग) धर्म (घ) घमंड

(5) ``दोइ कहैं तिनहीं कौ दोजग`` पंक्ति में कौनसा अलंकार है ?

(क) यमक (ख) रूपक (ग) अनुप्रास (घ) श्लेष

3 . पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले!
पुस्तकों में है नहीं, छापी गई इसकी कहानी,
हाल इसका ज्ञात होता है न औरों की जुबानी,
अनगिनत राही गए इस राह से, उनका पता क्या,
पर गए कुछ लोग इस पर, छोड़ पैरों की निशानी,
यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ, पंथी, पंथ का अनुमान कर ले!
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले!

है अनिश्चित किस जगह पर, सरित-गिरि-गह्वरमिलेंगे,
है अनिश्चित किस जगह पर, बाग-बन सुंदर मिलेंगे,
किस जगह यात्रा खत्म हो जाएगी, यह भी अनिश्चित,
है अनिश्चित, कब सुमन, कब कंटकों के सर मिलेंगे,
कौन सहसा छूट जाएँगे, मिलेंगे कौन सहसा,
आ पड़े कुछ भी, रुकेगा तू न, ऐसी आन कर ले!
पूर्व चलने के बटोही, बाट की पहचान कर ले!

i.कवि ने बटोही को क्या सलाह दी है?
क .जहाँ भी मन करे वहाँ चल ख . रास्ते पर चलने से पहले उसकी जाँच-परख कर ले।
ग .किताबों में इसकी कहानी छपी है घ .निश्चिंत होकर जाएँ

उत्तर -ख

ii.कवि के अनुसार रास्ता कैसा है ?

क.सुगम ख .दुर्गम ग .सामान्य घ .इनमे से कोई नहीं

उत्तर ख

iii .निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है, कैसे?
क .अच्छे कर्म प्रेरणा देते हैं ख .रास्ता सुन्दर है

ग .राह में अच्छे लोग मिलते हैं घ. जगह-जगह लाउडस्पीकर लगे हैं

उत्तर ग

iv.कवि ने जीवन मार्ग में क्या-क्या अनिश्चितताएँ बताई हैं? असत्य कथन का चुनाव करे

क. सुख-दुख, साथ-चलने वालों का अचानक साथ छोड़ देना

ख .नए यात्रियों का मिल जाना

ग जीवन कभी भी समाप्त हो सकता है

घ .यात्रा अपने पड़ाव पर पहुंचकर ही ख़त्म होगी

उत्तर ग

v. बटोही का क्या तात्पर्य है?

क .बांटना ख .रास्ता ग .राहगीर घ .अनिश्चित

उत्तर ग

4 हम प्रचंड की नई किरण हैं, हम दिन के आलोक नवल।
हम नवीन भारत के सैनिक, धीर, वीर, गंभीर, अचल।
हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के, सुरभि स्वर्ग की लेते हैं।
हम हैं शांति-दूत धरणी के, छाँह सभी को देते हैं।
वीर प्रसू माँ की आँखों के, हम नवीन उजियाले हैं।
गंगा, यमुना, हिंद महासागर के हम ही रखवाले हैं।
तन-मन-धन तुम पर कुर्बान,
जियो, जियो जय हिंदुस्तान !

हम सपूत उनके, जो नर थे, अनल और मधु के मिश्रण।
जिनमें नर का तेज प्रखर था, भीतर था नारी का मन।
एक नयन संजीवन जिनका, एक नयन था हालाहल।
जितना कठिन खड्ग था कर में उतना ही अंतर के मल।
थर-थर तीनों लोक काँपते थे जिनकी ललकारों पर।
स्वर्ग नाचता था रण में जिनकी पवित्र तलवारों पर।
हम उन वीरों की संतान
जियो, जियो जय हिंदुस्तान।

i.कविता में 'हम 'कौन हैं ?

क .भीड़ ख. भारत की नई पीढ़ी के नवयुवक

ग. भारत की पुरानी पीढ़ी के लोग घ.भारत के महापुरुष

उत्तर ख

ii.वे अपने को प्रचंड की नई किरण क्यों कह रहे हैं?

क. उन्हें अपने अच्छे कार्यों का आलोक दुनिया भर में फैलाना है,
ख. वे देश के भावी कर्णधार हैं।
ग. क और ख दोनों
घ. वे वहाँ के शासक हैं
ङ. उत्तर ग

iii.भारतवासी हिंदुस्तान पर क्या-क्या न्योछावर करना चाहते हैं, क्यों?

क .केवल तन ख .केवल मन ग .केवल धन घ .सर्वस्व

उत्तर घ

iv.भारतवासी हिंदुस्तान पर अपना सब कुछ न्योछावर क्यों करना चाहते हैं?

क .वे अपने जीवन से तंग आ चुके हैं

ख .वे सन्यासी बन चुके हैं
ग.क्योंकि देश की आन-बान-शान की रक्षा और भविष्य का उत्तरदायित्व उनके कंधों पर है
घ .उन्हें सारा संसार जीतना है
उत्तर ग

v.‘अनल और मधु के मिश्रण ’किन्हें कहा गया है?

क . हम भारतीयों के पूर्वजों को कहा गया है।

ख .पंचामृत को

क. वीर सपूतों को

ख. घ महासागर को .

उत्तर क

पठित पद्यांश

1.ऊधौ,तुमहौ अति बड भागी ।

अपरस रहत सनेहतगातैं,नाहिन मन अनुरागी ।

पुरइनिपात रहत जल भीतर,तारस देह न दागी ।

ज्यौ जलमाह तेल की गागरि, बूंदन ताकौ लागी ।

प्रीति-नदी मैं पाऊं न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।

सूरदास अबला हम भोरी गुर चांटी ज्यौ पागी ।

1 यहां गोपियां किसे बड़भागी कह रहे हैं?

क) उद्धवको ख)कृष्ण को ग)राम को घ)राधा को

उत्तर - क

2 गोपियों ने अपने प्रेम की तुलना किससे की है ?

क) गागर और तेल से ख) गुड और चींटियोंसे ग) कमल और पानी से घ) सभी से

उत्तर घ

3 सूरदास ने गोपियों को अबला और भोली क्यों कहा है?

क)क्योंकि गोपियां सरल हो गई है

ख) उनका मन सदैव कृष्ण के लिए निस्वार्थ प्रेम से ओतप्रोत है

ग) वह किसी पर भी विश्वास कर लेती हैं

घ) क और ख दोनों ।

उत्तर घ

4 प्रीति - नदी में पाऊं न बोरियों । प्रीति - नदी में कौन सा अलंकार है?

क) उपमा

ख) रूपक

ग) अनुप्रास

घ) यमक

उत्तर घ

5 इस पद की भाषा कौनसी है?

क) अवधी

ख) ब्रज

ग) बुन्देली

घ) संस्कृत

उत्तर ख

2. मन की मन ही मांझ रही।

कहि न जाई कौन पै ऊधौ,नाही परत कहीं।

अवधि अधार आस आवन की तन मन विथा सही।

अब इन जोग संदेसनि सुनी सुनी विरहिनि विरह दही ।

चाहती हुती गुहारि जितहि तैं, उत तैं धार बही ।

सूरदास अब धीर धरहि क्यों,मरजादा न लही।|

1 किस के मन की बात मन में ही रह गई?

क) कृष्णकी

ख)यशोदाकी

ग)राधाकी

घ)गोपियों की

उत्तर घ

2 उद्धव गोपियों को कौन सा संदेश देने आए हैं?

क)भक्ति का संदेश ख)प्रेम का संदेश ग) योग का संदेश ग)योग का संदेश

उत्तर ग

3 गोपियां किसकी प्रतीक्षा में योग् व्यथा को सहन कर रही हैं?

क)उद्धवकी प्रतीक्षा में

ख)कृष्ण की प्रतीक्षामें

ग) की प्रतीक्षा में

घ)इनमें से कोई नहीं

उत्तर ख

4 गोपियां उद्धव से कृष्ण के किस का मर्यादा न रखने की बात कर रही हैं?

क) कृष्ण ने उन्हें शीघ्र मिलने आने का वचन दिया लेकिन अपने वचन निभाने की मर्यादा नहीं रखी
ख))कृष्ण ने उन्हें साथ ले जाने का वचन नहीं निभाया था
ग) क और ख दोनों
घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर क

5 अब इन योग संदेसनी सुनी सुनी विरहिनी विरह दही।इस पंक्ति के द्वारा गोपिया क्या कहना चाहती है?

क)उददव के योगसंदेश को सुनकर उन्होंने धैर्य धारण कर लिया है

ख)उनके योग संदेश को सुनकर उन्हें शांति मिल गई है

ग) तुम्हारी योग संदेश को सुन सुनकर हमारी बिरहा और भड़क गई है

घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर ग

3 नाथसंभुधनु भंजनिहहारा ।होइहि केउएकदासतुम्हारा ।।

आयेसुकहिअकिन मोही ।सुनि रिसाई बोले मुनिकोही।।

सेवकु हो जो करें सेवकाई।अरिकरनी करि करिअलराई।।

सुनहु राम जेहि सिवधनुतोरा ।सहस्त्रबाहुहम सोरिपु मोरा।।

सो बिलगाऊ बिहाईसमाजा ।न यह मारे जैहहि सब राजा।।

4.लखन कहा हंसी हमरे जाना ।देव सबधनुष समाना ।।

का छति लाभु जून धनु तोरे ।देखा राम नयन के भोरे।।

की टूटरघुपति न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।

बोले चीतै की ओरा ।रे सठ सुनेही सुभाउनमोरा ।।

बालकु बोलि बधौ नहि तोही ।केवल मुनि जड जानहि मोही ।।

बाल ब्रह्मचारी आति कोही।बिस्वबिदित क्षत्रिय कुल द्रोही ।

भुज बल भूमि भूप बिनु कीनी ।विपुल बार महिदेवन दीनही।।

सहस्त्रबाहु भुज छेद निहारा।परसु बिलोकु महीपकुमारा ।।

1 धनुष टूटने के संबंध में लक्ष्मण ने निम्नलिखित में कौन सा तर्क नहीं दिया था ?

क) सब धनुष एक समान होता है
ख) धनुष पुराना और कमजोर था
ग) धनुष पहले से ही टूटा हुआ था
घ) राम ने धनुष भोले नेत्रों से देखा था और छूतेही टूट गया था
उत्तर ग

2 का छति लाभु जून धनु तोरे- पंक्ति में जून शब्द का क्या अर्थ है ?

क) जून का महीना
ख) जर्जर और पुराना
ग) जानकी

घ) लाभ

उत्तर ख

3.निम्नलिखित में ऐसी कौन-सीबात है जो परशुराम ने अपनेबारे में नहीं कही।

क) मैंने रावण का वध किया है

ख) मैं बालब्रह्मचारीहूं

ग) मैं क्षत्रिय कुल का द्रोहीहूं

घ) मैं ने सहस्त्रबाहुकीभुजाएंकाटी ह

उत्तर क

4 इस कविता की भाषा कौन सी है?

क)अवधी

ख)ब्रज

ग)बुन्देली

घ)संस्कृत

उत्तर क

5 सहस्त्रबाहु के समान कौन है परशुरामका शत्रु?

क) राम

ख) लक्ष्मण

ग) कृष्ण

घ) जनक

उत्तर **क**

सूरदास-पद

यहाँ सूर सागर के भ्रमरगीत के चार पद लिए गए है|

श्रीकृष्ण के मथुरा जाने पर गोपियाँ विरह वेदना में तड़प रही थी |

गोपियों के दुःख को शांत करने के उद्देश्य से उद्धव को ज्ञान और योग का संदेश लेकर भेजा था गोपियाँ ज्ञान मार्ग को नहीं,प्रेम मार्ग को पसंद करती थी |

बहुविकल्पी प्रश्न

अ] निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यान से पढ़िए और सही उत्तर चुनिए |

1.गोपियों ने बड़भागी किसे कहा है ?

क) कृष्ण ख) उद्धव ग) कंस घ) सूरदास

2.गोपियों ने अपने लिए किन- किन विशेषणों का प्रयोग किया है ?

क)अबला ख) भोरी ग) गुड में पडी चींटी घ) उपर्युक्त सभी

3. उद्धव की तुलना गोपियों ने किस-किस से की है ?

क)कमल के पत्ते ख) तेल की गागरी ग) क और ख दोनों सही है घ) दोनों सही नहीं है

4. 'प्रीति -नदी में पाँव न बोरयों में' कौन -सा अलंकार है?

क) उपमा ख) उत्प्रेक्षा ग) रूपक घ) यमक

5.किस के मन में श्री कृष्ण के प्रति अनुराग नहीं है ?

क) उद्धव के ख) सूरदास के ग) गोपियों के घ) इन में से कोई नहीं

6.क्या सुनकर गोपियों का दुख बढ़ रहा था ?

क) योग संदेश ख) प्रेम संदेश ग) दुःख संदेश घ) इन में से कोई नहीं

7.किस की मर्यादा नहीं रह गई है?

क) श्री कृष्ण की ख) गोपियों की ग) कंस की घ) सूर की

8. गोपियों के लिए कृष्णा किसके समान हैं ?

क) सहजन की लकड़ी ख) हारिल की लकड़ी ग) नीम की लकड़ी घ) इन में से कोई नहीं

9 .गोपियों ने किस को उर में कस कर पकड़ा है ?

क) कृष्ण को ख) कंस को ग) उद्धव को घ) बलराम को

10..गोपियों के लिए योग संदेश किसके समान है ?

क) कडवी औषधि ख) कडवी निबौरी ग) कडवी ककडी घ) इन में से कोई नहीं

11 .गोपियों ने योग संदेश को किस प्रकार की व्याधि कही है?

क) जिसे देखा नहीं ख) जिसे सुना नहीं ग) जिसे भोगा नहीं घ) उपर्युक्त सभी

12.. गोपियों के अनुसार योग संदेश किसको देना चाहिए ?

क) जिसका मन स्थिर है ख)जिसका मन चक्र के समान है ग) जिसका मन उदास है घ) इन में से कोई नहीं

13. गोपियों के अनुसार हरि ने क्या पढ ली है ?

क) अर्थ शास्त्र ख) जीव शास्त्र ग) विज्ञान घ) राजनीति

14. गोपियों के मन कौन चुरा ले गए थे?

क) श्री कृष्ण ख) बलराम ग) कंस घ) उद्धव

15. . सूरदास के अनुसार राज धर्म क्या है ?

क) प्रजा को सताना ख) प्रजा को न सताना ग) प्रजा को रुलाना घ)प्रजा को तंग करना

16 .सूरदास के पद किस ग्रंथ से लिए गये है?

क) साहित्य लहरी ख) सूर सारावली ग) सूर सागर घ) इन में से कोई नहीं

17 . उद्धव मथुरा से क्या लेकर आए?

क)ज्ञान संदेश ख) योग संदेश ग) क और ख दोनों सही है घ) दोनों सही नहीं है

18 '.दिवस- निसि में' कौन- सा समास है?

क) तत्पुरुष समास ख) द्वंद्व समास ग) द्विगु समास घ) कर्मधारय समास

.19. गोपियाँ किस मार्ग को पसंद करती थी?

क)ज्ञान मार्ग ख) योग मार्ग ग) प्रेम मार्ग घ) वैराग्य मार्ग

20 . गोपियों के मन में कृष्ण के प्रति किस प्रकार का प्रेम था?

क) एकनिष्ठ प्रेम ख) वस्तुनिष्ठ प्रेम ग) व्यक्तिनिष्ठ प्रेम घ) इन में से कोई नहीं

अपेक्षित उत्तर

1 ख) उद्धव

2. घ) उपर्युक्त सभी

3. ग) क और ख दोनों सही है

4. ग) रूपक

5. क) उद्धव के

6. क) योग संदेश

7. ख) गोपियों की

8. ख) हारिल की लकड़ी

9. क) कृष्ण को

10. ग) कडवी ककडी

11. घ) उपर्युक्त सभी

12. ख)जिसका मन चक्र के समान है

13. घ) राजनीति

14. क) श्री कृष्ण

15. ख) प्रजा को न सताना

16. ग) सूर सागर

17. ग) क और ख दोनों सही है

18. ख) द्वंद्व समास

19. ग) प्रेम मार्ग

20. क) एकनिष्ठ प्रेम

राम- लक्ष्मण- परशुराम संवाद

राम लक्ष्मण परशुराम संवाद का यह अंश रामचरितमानस के बालकाण्ड से ली गई हैं। बालकाण्ड में भगवान राम के जन्म से लेकर राम-सीता विवाह तक के प्रसंग आते हैं।

यह प्रसंग उस समय का हैं जब राजा जनक ने अपनी पुत्री माता सीता के विवाह के लिए स्वयंवर का आयोजन किया था। जिसमें देश विदेश के सभी राजाओं को आमंत्रित किया गया। स्वयंवर की शर्त के अनुसार जो भगवान शिव का धनुष तोड़ेगा, माता सीता उसी को अपने पति के रूप में वरण करेंगी।शर्त के अनुसार भगवन राम ने शिव का धनुष भंग कर दिया |

माता सीता ने भगवान राम को अपना पति स्वीकार कर उन्हें वरमाला पहनाई। लेकिन जब भगवान राम ने भगवान शिव का धनुष तोडा तो , उसके टूटने की आवाज तीनों लोकों में सुनाई दी | परशुराम जो भगवान शिव के अनन्य भक्त थे। जब उन्होंने धनुष टूटने की आवाज सूनी तो वो बहुत क्रोधित हुए। और तुरंत राजा जनक के दरबार में पहुँच गए।शिव-धनुष को खंडित देखकर मुनि परशुरामजी अत्यंत क्रोधित हो जाते है | यह प्रसंग क्रोधित परशुराम और भगवान राम और उनके भाई लक्ष्मण के बीच हुए संवाद का है। प्रभु राम के विनय करने और विश्वामित्र केसमझाने पर तथा राम की शक्ति की परीक्षा लेकर अंततःमुनिपरशुराम जी का क्रोध शांत हो जाता है |

पाठ का उद्देश्य-श्रीरामचंद्रजी के विनय लक्ष्मण की वीर रस भरी व्यंग्योक्तियों व व्यंजना शैली की सरस अभिव्यक्ति तथा मुनि परशुरामजी के स्वभाव का परिचय कराकर यह साबित करना कि हमें जीवन में गुरुभक्ति, नीति,स्नेह,शील,विनय,अहंकार त्याग आदि आदर्शों का पालन करना चाहिए

1. **राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद- रामचरितमानस के किस कांड से लिया गया है**?

(क) लंका कांड

(ख) बाल कांड

(ग) सुन्दर कांड

(घ) अयोध्या कांड

2. **मुनि परशुरामजी के गुरु कौन थे**?

(क) भगवान शिव

(ख) भगवान विष्णु

(ग) आचार्य द्रोण

(घ) भगवान श्रीकृष्ण

3. **राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में- किस भाषा का प्रयोग हुआ है**?

(क) अवधी

(ख) व्रज

(ग) राजस्थानी

(घ) खड़ीबोली

4. **सहस्रबाहु की भुजाओं को किसने काट डाला था**?

(क) इंद्र ने

(ख) रावण ने

(ग) मुनि परशुरामजी ने

(घ) श्रीरामचंद्रजी ने

5. **सीता स्वयंवर के अवसर पर मुनि परशुरामजी के क्रोध का मूल कारण क्या था**?

(क) लक्ष्मणजी द्वारा व्यंग्य बाण चलाना

(ख) शिवधनुष का टूटना

(ग) राजा जनक द्वारा शिव धनुष को सभा में लाना

(घ) श्रीरामचन्द्रजी द्वारा शिव धनुष का अपमान करना

6. **मुनि परशुरामजी ने सेवक किसे कहा है**?

(क) जो सम्मान करे

(ख) जो कुछ भी न करे

(ग) जो आज्ञा का पालन करे

(घ) जो सेवा करे

7. ‘ **हे नाथ**! **शिवधनुष को तोड़ने वाला तुम्हारा ही कोई दास होगा।**” **यह शब्द किसने**? **किससे**? **कहा है**?

(क) राजा जनक ने मुनि परशुरामजी से

(ख) श्रीराम चन्द्रजी ने मुनि परशुरामजी से

(ग) लक्ष्मणजी ने श्रीराम चन्द्रजी से

(घ) हनुमान ने राजा जनक से।

8. **मुनि परशुरामजी के सिर पर अभी किसका ऋण बाकी**(**शेष**) **है**?

(क) माता का

(ख) पिता का

(ग)गुरु का

(घ) भाई का

9. **मुनि परशुरामजी के वचन किसके समान कठोर है**?

(क) लोहे के

(ख) वज्र के

(ग) पत्थरके

(घ) इस्पात के

10. "**भृगकुलकेतु**"**शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है**?

(क) मुनि परशुराम के लिए

(ख) महर्षि विश्वामित्र के लिए

(ग) लक्ष्मणजी के लिए

(घ) महर्षि वसिष्ठ के लिए

11. **राम-लक्ष्मण-परशुराम- संवाद में किस रस की प्रधानता है**?

(क)करुणा रस

(ख) हास्य रस

(ग)वीर रस

(घ) रौद्र रस

12. **मुनि परशुरामजी ने "कौशिक" कहकर किसे संबोधित किया है**?

(क)राजा दशरथ को

(ख) राजा जनक को

(ग) महर्षि वसिष्ठ को

(घ) महर्षि विश्वामित्र को

13. "**गर्भन्ह के अर्भक दलन**" — **पंक्ति में अर्भक शब्द का क्या अर्थ है**?

(क) घोडा

(ख)शत्रु

(ग)बच्चे

(घ) गधा

14-**देवता, ब्राह्मण, भक्त और गाय पर किस कुल में वीरता नहीं दिखाई जाती थी**?

(क) रघुकुल में

(ख) यादवकुल में

(ग)भृगकुल में

(घ)आर्यकुल में

15. **मुनि परशुरामजी ने 'सूर्यवंश का कलंक' किसे कहा है**?

(क)श्रीरामचन्द्रजी को

(ख)महर्षि विश्वामित्र को

(ग) लक्ष्मणजी को

(घ)सीताजी को

16. **इहाँ कुम्हड़ बतिआ कोउ नाहीं-पंक्ति से क्या आशय है**?

(क) यहाँ मूर्ख की तरह बातें करने वाला कोई नहीं |

(ख) यहां कोई भी कुम्हड़े की बतिया के समान (निर्बल) नहीं है|

(ग) यहां कोई भी कुम्हार के घड़े के समान नहीं है|

(घ) यहां कोई भी मेरे जैसा शूर-वीर नहीं है |

17. **लक्ष्मणजी ने मुनि परशुरामजी के किस स्वभाव पर व्यंग्य किया है**?

(क) चाटुकारिता

(ख) आलसीपन

(ग) मधुर

(घ) बड़बोलापन

18. **कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा।- अलंकार पहचान कर लिखिए**?

(क) उपमा और अनुप्रास अलंकार

(ख) पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार

(घ) यमक

19. **किसके वश में आकर लक्ष्मण के मुंह से होशपूर्वक बातें नही निकल रहे है**?

(क) मोह

(ख)काल

(ग) लोभ

(घ) डर

20. **राम- लक्ष्मण- परशुराम संवाद- में किस छन्द का प्रयोग हुआ है**?

(क) सवैया

(ख) दोहा और चौपाई

(ग) सोरठा

(घ) रोला

उत्तर माला

प्रश्न संख्या	उत्तर
1	**ख**
2	**क**
3	**क**
4	**ग**
5	**ख**
6	**घ**
7	**ख**
8	**ग**
9	**ख**
10	**क**
11	**ग**
12	**घ**
13	**ग**
14	**क**
15	**ग**
16	**ख**
17	**घ**
18	**क**
19	**ख**
20	**ख**

केंद्रीय विद्यालय संगठन , एर्णाकुलम क्षेत्रीय संभाग

आदर्श प्रश्न-पत्र

कक्षा-दसवीं

हिन्दी (पाठ्यक्रम-अ)

निर्धारित समय: 90 मिनट अधिकतम अंक:40

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न-पत्र के तीन खण्ड हैं- खंड-क, खंड- ख, खंड- ग ।
- इस प्रश्न-पत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं ।सभी प्रश्नों के उपप्रश्न दिए गए हैं । दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
- खंड-क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं , दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए ।
- खंड-ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं , दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए ।
- खंड-ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं,सभी प्रश्न अनिवार्य हैं .
- सही उत्तरवाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ॰ एम ॰आर शीट में भरें ।

खण्ड- क

(अपठित गद्यांश) अंक-10

1.नीचे दो अपठित गदयांश दिये गए हैं । किसी एक गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए: 1x5=5

“मनुष्य सामाजिक प्राणी है।” वह समाज में रहकर अपनी सेवाओं के आदान-प्रदान से सभी इच्छाओं की पूर्ति करता है। यह भावना मित्रता को जन्म देती है। मित्रता का अर्थ है, सहायक या दोस्त जो हर सुख-दुख में हमारा साथ निभाता है। अत: जीवन में मित्रता का महत्त्व सभी लोग स्वीकार करते हैं। सच्ची मित्रता सुख का सार है। सच्ची मित्रता उन बाँहों के समान सहारा देने वाली होती है जो हर मुसीबत में साथ देकर संकट को दूर भगाती हैं। मित्र बनाते समय हमें सावधानी भी रखनी चाहिए कि अच्छे व्यक्ति को ही अपना मित्र बनाएँ। तड़क-भड़क, शान-शौकत तथा फैशन करने वाले, हँसमुख, मनभावनी चाल देखकर ही किसी को मित्र नहीं बनाना चाहिए। अच्छे मित्र का मिलना परम सौभाग्य की बात मानी जाती है। वह व्यक्ति माता के समान धैर्य तथा कोमलता रखता है। औषधि के समान कड़वी बात कहकर भी हमारी कमियों को

दूर भगाता है तथा हमारा सुधार करता है। जैसे विपत्ति में खजाना काम आ जाता है, विपत्ति से बचा लेता है उसी प्रकार एक अच्छा मित्र हरदम हमारा कल्याण चाहता रहता है। मित्र के नाम पर बुरे लोग भी समाज में मिल जाते हैं। वे हमसे नहीं; हमारे पैसे से प्रेम करते हैं। वे हमारी नैतिकता का पतन कराते हैं। अत: हमें उनसे बचकर ही रहना चाहिए। यह सोचकर मित्रता का हाथ बढ़ाना चाहिए कि वह आगामी जीवन में कितना उपयोगी सिद्ध होगा। मित्रता से अनेक लाभ हैं। सच्चा मित्र सुख, दुख में साथ देता है। हमारी सद्वृत्तियों को बढ़ाता है। जीवन का मार्ग आसान होता जाता है। अत: मित्रता के लाभ का महत्त्व स्वत: स्पष्ट हो जाता है।

(i) मित्रता को जन्म देती है :

(क) मूर्खता की भावना

(ख) सरलता की भावना

(ग) सामाजिकता की भावना

(घ) असामाजिकता की भावना

(ii) हमारी नैतिकता का पतन कराते हैं :

(क) हमसे प्रेम करने वाले

(ख) हमारे पैसे से प्रेम करने वाले

(ग)हमारे सच्चे मित्र

(घ)उपर्युक्त सभी

(iii) हरदम हमारा कल्याण चाहता है :

(क) सहपाठी

(ख) पड़ोसी

(ग) अच्छा मित्र

(घ) उपर्युक्त तीनों नहीं

(iv) 'मित्रता' शब्द व्याकरण के अनुसार है :

(क) विशेषण

(ख) भाववाचक संज्ञा

(ग) प्रविशेषण

(घ) सर्वनाम

(v) 'सामाजिक' - मूल शब्द व प्रत्यय का सही विकल्प है :

(क) सामाज + इक

(ख) समाज + ईक

(ग) समाज + इक

(घ) सामाज + क

अथवा

एकबार स्वामी विवेकानंद का एक शिष्य उनके पास आया और उसने कहा, 'स्वामी जी, मैं आपकी तरह भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार-प्रसार करने के लिए अमेरिका जाना चाहता हूँ। यह मेरी पहली यात्रा है। आप मुझे विदेश जाने की अनुमति और आशीर्वाद दें ताकि मैं अपने मक़सद में सफल होऊँ।'स्वामी जी ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा फिर कहा, 'सोचकर बताऊँगा।'शिष्य हैरत में पड़ गया। उसने विवेकानंद जी से इस उत्तर की कल्पना भी नहीं की थी। उसने फिर कहा, स्वामी जी, मैं आपकी तरह सादगी से अपने देश की संस्कृति का प्रचार करूँगा । मेरा ध्यान और किसी चीज पर नहीं जाएगा । विवेकानंद ने फिर कहा, 'सोचकर बताऊँगा।' शिष्य ने समझ लिया कि स्वामी जी उसे विदेश नहीं भेजना चाहते इसलिए ऐसा कह रहे हैं। वह उनके पास ही रुक गया। दो दिनों के बाद स्वामी जी ने उसे बुलाया और कहा,'तुम अमेरिका जाना चाहते हो तो जाओ । मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।' शिष्य ने सोचा कि स्वामी जी ने इतनी छोटी सी बात के लिए दो दिन सोचने में क्यों लगाए। उसने अपनी यह दुविधा स्वामी जी को बताई। स्वामी जी ने कहा, 'मैं दो दिनों में यह समझना चाहता था कि तुम्हारे अन्दर कितनी सहनशक्ति है। कहीं तुम्हारा आत्मविश्वास डगमगा तो नहीं रहा है । लेकिन तुम दो दिनों तक यहाँ रहकर निर्विकार भाव से मेरे आदेश की प्रतीक्षा करते रहे। न क्रोध किया, न जल्दबाजी की और नहीं धैर्य खोया। जिसमें इतनी सहनशक्ति और गुरु के प्रति प्रेम भाव होगा, वह शिष्य कभी भटकेगा नहीं। मेरे अधूरे काम को वही आगे बढा सकता है। किसी दूसरे देश के नागरिक के मन में अपनी देश की संस्कृति को अन्दर तक पहुँचाने के लिए ज्ञान के साथ-साथ, धैर्य,विवेक और संयम की आवश्यकता होती है। मैं इसी बात की परीक्षा ले रहा था।'

(i) 'सोचकर बताऊँगा।'-स्वामी जी ने ऐसा क्यों कहा ?

(क) शिष्य को अमेरिका नहीं भेजना चाहते थे ।

(ख) शिष्य को भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का ज्ञान नहीं था ।

(ग) शिष्य के पास पर्याप्त धन नहीं था ।

(घ) शिष्य के धैर्य,विवेक और संयम की परीक्षा लेना चाहते थे ।

(ii) विवेकानंद जी के उत्तर न देने पर शिष्य ने क्या किया ?

(क) स्वामी जी से विनती करने लगा।

(ख) धैर्य खोकर विचलित हो गया ।

(ग) निर्विकार भाव से प्रतीक्षा करता रहा ।

(घ) अमेरिका चला गया ।

(iii) शिष्य का अमेरिका जाने का उद्देश्य था :

(क) धैर्य, विवेक और संयम बताना ।

(ख) भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार करना ।

(ग) अमेरिका की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज जानना ।

(घ) स्वामी जी से आशीर्वाद प्राप्त करना ।

(iv) निम्नलिखित में से असत्य कथन है :

(क) एक शिष्य में सहनशक्ति और गुरु के प्रति प्रेम का भाव जरूरी है ।

(ख) स्वामी जी के शिष्य में आत्मविश्वास और सहनशक्ति की कोई कमी नहीं थी ।

(ग) स्वामी जी शिष्य को अमेरिका नहीं भेजना चाहते थे ।

(घ) शिष्य भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार करना चाहता था।

(v)गद्यांश में 'मक़सद' शब्द से आशय है :

(क) आरंभ

(ख) हैसियत

(ग) संस्कार

(घ) उद्देश्य

2.नीचे दो अपठित काव्यांश दिए गए हैं । किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुन्दर है,
सूर्य-चन्द्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है,
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं,
बंदीजन खग-वृंद शेषफन सिंहासन है,
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की,
हे मातृभूमि तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की।
जिसकी रज में लोट-लोट कर बड़े हुए हैं
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए,
हम खेले कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में।
हे मातृभूमि तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में?

(i) कवि किसके बारे में वर्णन कर रहा है ?

(क)मातृभूमि

(ख) बचपन

(ग) देवभूमि

(घ)नीलांबर

(ii) कवि ने पृथ्वी का परिधान किसको बताया है ?

(क) रत्नाकर को

(ख) नीलांबर को

(ग) चन्द्र को

(घ) नदियों को

(iii) धूल भरे हीरे किसे कहा गया है ?

(क) मातृभूमि की अमूल्य संतान को ।

(ख) धूल मिट्टी उड़ाने वाले ।

(ग) धूल में खेलने वाले ।

(घ)धूल से भरे हीरे ।

(iv) 'परमहंस सम बाल्यकाल' पंक्ति में अलंकार है-

(क) यमक

(ख) उपमा

(ग)उत्प्रेक्षा

(घ)रूपक

(v)'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द है:

(क) नीलांबर

(ख) रत्नाकर

(ग) बंदीजन

(घ) सिंहासन

अथवा

ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में
मनुज नहीं लाया है
अपना सुख उसने अपने
भुजबल से ही पाया है
प्रकृति नहीं डरकर झुकती है
कभी भाग्य के बल से
सदा हारती वह मनुष्य के
उद्यम से श्रम-जल से
ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा
करते निरुद्यमी प्राणी

धोते वीर कु-अंक भाल के
बहा ध्रुवों के पानी
भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे रखता दबा एक जन
भाग दूसरे जन का

(i) 'शोषण का शस्त्र' किसे कहा गया है ?

(क) परिश्रम को
(ख) भुजबल को
(ग) भाग्यवाद को
(घ) पाप के आवरण को

(ii) प्रकृति मनुष्य के आगे झुकती है :

(क) भाग्य से
(ख) स्वयं से
(ग) परिश्रम से
(घ) उपर्युक्त तीनों से

(iii) मनुष्य ने सुख पाया है :

(क) भाग्य के बल से
(ख) दूसरों के बल से
(ग) भुजबल से
(घ) उपर्युक्त तीनों से

(iv)इस काव्यांश से क्या प्रेरणा मिलती है?

(क) दूसरों का शोषण करने की ।
(ख) भाग्य के भरोसे बैठने की ।
(ग)उद्यमी प्राणी बनने की ।
(घ) निरुद्यमी प्राणी बनने की ।

(v) भाग्य का लेख कैसे लोग पढ़ते हैं?

(क) उद्यमी
(ख)निरुद्यमी
(ग)परिश्रमी
(घ)उपर्युक्त तीनों

खण्ड- ख

(व्यावहारिक व्याकरण) अंक-16

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 1x4=4

(i)<u>वह जहां भी जाता है</u>, एक नई समस्या खड़ी कर देता है - रेखांकित में कौन सा उपवाक्य है ?

(क)संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(ख) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(ग) क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

(घ) प्रधान उपवाक्य

(ii) अधोलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य छाँटिए :

(क) वे अक्सर माँ की स्मृति में डूब जाते थे ।

(ख) वह कौन सा मनुष्य है, जिसने महाप्रतापी राजा भोज का नाम नहीं सुना हो ।

(ग) वे दिन याद आते हैं जब हम एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे थे ।

(घ) मैंने उसे समझाया और वह मान गई ।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य छाँटिए :

(क) वे आजकल स्वतंत्र लेखन कर रहे हैं।

(ख) संपूर्ण प्रजा अब शाँतिपूर्वक एक दूसरे से व्यवहार करती है ।

(ग) जो कमरे में सो रहा है वह मेरा भाई है ।

(घ) चोर घर में घुसा और चोरी करके चला गया।

(iv) आप खाना खाकर आराम कीजिए - रचना की दृष्टि से कौन सा वाक्य है ?

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) कोई नहीं

(v) रेखांकित में संज्ञा आश्रित उपवाक्य कौनसा है ?

(क) <u>यद्यपि बारिश हो रही है</u> तथापि खेल होगा ।

(ख) <u>जब तुम दिल्ली जाओगे</u> तब लाल किला देखना ।

(ग) <u>जहां खड़े हों</u> वहाँ चींटियाँ हैं ।

(घ) रोहन ने कहा कि <u>वह बाज़ार जाएगा</u> ।

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 1x4=4

(i)निम्नांकित में से भाव वाच्य वाले वाक्य का चयन कीजिए :

(क) अब चला जाए ।

(ख) अब चलते हैं ।

(ग) पक्षी उड़ेंगे ।

(घ) वह हम लोगों का विरोध कर रहा था ।

(ii)निम्नलिखित वाक्यों में कर्मवाच्य का उदाहरण है :

(क)मोहन पत्र लिखता है ।

(ख) मोहन ने पत्र लिखा ।

(ग) मोहन द्वारा पत्र लिखा गया ।

(घ)मोहन पत्र लिखेगा ।

(iii) कर्तृवाच्य कहते हैं :

(क) जहाँ कर्ता प्रधान होता है ।

(ख) जहाँ भाव प्रधान होता है ।

(ग) जहाँ अन्यपद प्रधान होता है ।

(घ) जहाँ कर्म प्रधान होता है ।

(iv) 'सीता द्वारा पत्र लिखा गया'- वाक्य है :

(क) कर्तृवाच्य

(ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य

(घ) अन्य

(V) किसान खेतों में कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव करते हैं -में कौन सा वाच्य है

(क) कर्म वाच्य

(ख) भाव वाच्य

(ग) कर्तृवाच्य

घ) तीनों

5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 1x4=4

अधोलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पद-परिचय के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) <u>जो</u> अपने वचन का पालन नहीं करता, वह विश्वास के योग्य नहीं है ।

(क) सर्वनाम, संबंधवाचक,पुल्लिंग,एकवचन

(ख)सर्वनाम, निजवाचक,पुल्लिंग,एकवचन

(ग) सर्वनाम, संबंधवाचक,पुल्लिंग,बहुवचन

(घ) सर्वनाम, प्रश्नवाचक,पुल्लिंग,एकवचन

(ii) सीता ने कहा कि मैं अपना काम खुद करती हूँ ।

(क) सर्वनाम, निजवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन ।

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन ।

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन ।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन ।

(iii)उस छात्र ने निर्धन छात्र को पुस्तक दी ।

(क) विशेषण, संकेतवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन,'छात्र' विशेष्य का विशेषण ।

(ख) सर्वनाम, संबंधवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(ग) विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिंग, एकवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण ।

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग ।

(iv)मैं धीरे-धीरे चलता हूँ ।

(क) क्रिया-विशेषण,कालवाचक, 'चलता हूँ' क्रिया ।

(ख) क्रिया-विशेषण,स्थानवाचक, 'चलता हूँ' क्रिया ।

(ग) क्रिया-विशेषण, रीतिवाचक, 'चलता हूँ' क्रिया ।

(घ) क्रिया-विशेषण,परिमाणवाचक, 'चलता हूँ' क्रिया ।

(iv)दिल्ली भारत की राजधानी है ।

(क) जातिवाचक संज्ञा ,एकवचन,पुल्लिंग ,कर्मकारक ।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा ,एकवचन,स्त्रीलिंग ।

(ग) संज्ञा ,व्यक्तिवाचक,अन्य पुरुष ,पुल्लिंग ,एकवचन ।

(घ) सार्वनामिक विशेषण ,एकवचन,स्त्रीलिंग ।

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 1x4=4

(i) निम्नलिखित में से रस भेद नहीं है :

(क) भयानक

(ख) हास्य

(ग) वीर

(घ) उपमा

(ii)वीर रस का स्थायी भाव है :

(क) क्रोध

(ख) उत्साह

(ग) भय

(घ) विस्मय

(iii)'रस-सामग्री' में क्या-क्या सम्मिलित हैं ?

(क)विभाव, अनुभाव, संचारी, स्थायीभाव

(ख)छंद, अलंकार, गुण,रीति

(ग)उपमान, उपमेय, साधारण धर्म, वाचक-शब्द

(घ)उपर्युक्त सभी

(iv) क्रोध स्थायी भाव किस रस का है?

(क) रौद्र

(ख) वीर

(ग) भयानक

(घ)शान्त

(v) रे नृप बालक कालबस बोलत तोहि न संभार |

धनुही सम त्रिपुरारि धनु विदित सकल संसार - पंक्ति में कौनसा रस है

(क)रौद्र रस

(ख) वीर रस

(ग) करुण रस

घ) वात्सल्य

खण्ड-ग

(पाठ्यपुस्तक) अंक- 14

7. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1X5=5

आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं | ठंडी पुरवाई चल रही ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर तरंग- झंकार -सी कर उठी | यह क्या है - कौन है | यह पूछना न पड़ेगा | बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं | उनकी अँगुली एक -एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है | उनका कंठ एक -एक शब्द संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर | बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं, मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती है; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं | रोपनी करने

वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं | बाल गोबिन भगत का यह संगीत है या जादू |

(i) उपरोक्त पाठ के लेखक का नाम लिखिए |

(क)रामवृक्ष बेनीपुरी

(ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) स्वयं प्रकाश

(घ) हजारी प्रसाद

(ii) लेखक ने उपरोक्त अंश में कौन से माह का वर्णन किया है ?

क)आषाढ़

(ख) कार्तिक

(ग) फाल्गुन

(घ) चैत्र

(iii) बालगोबिन भगत क्या कर रहे हैं?

(क)रोपनी

(ख) सिंचाई

(ग) गुड़ाई

(घ) निदाई

(iv) बाल गोबिन भगत के कंठ से क्या निकल रहा है ?

(क)उच्च स्वर में मधुर गीत

(ख) दबे स्वर में गीत

(ग) कर्ण कटु गीत

(घ) रुंआसे गीत

(v) बाल गोबिन भगत के संगीत का,लोगों पर क्या प्रभाव नहीं पड़ रहा है ?

(क) बच्चे झूमने लगते हैं ।

(ख) स्त्रियाँ गुनगुनाने लगती हैं ।

(ग) हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं ।

(घ) खेतों में काम करने वाले दूर भागने लगते हैं ।

प्रश्न 8 निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए|

1X2=2

(i) नेताजी का चश्मा कहानी में कैप्टन कौन था ?

(क) हालदार साहब

(ख) पान वाला

(ग) चश्मेवाला

(घ) अध्यापक

(ii) बाल गोबिन भगत के पुत्र- प्रेम का चरम उत्कर्ष कब देखा गया ?

(क)अषाढ के महिने में

(ख)गंगा स्नान के अवसर पर

(ग) अपने इकलौते पुत्र की मृत्यु पर

घ)अपने अंतिम दिन पर

प्रश्न 9 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1X5=5

मन की मन ही मांझ रही |

कहिए जाइ कौन पे उधौ, नाहीं परत कही |

अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही |

अब इन जोग संदेसनी सुनि- सुनि , विरहिनी बिरह दही |

चाहति हुती गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बहीं |

सूरदास अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लहीं ||

(i) गोपियों के मन की कौन सी बात मन में ही रह गई ?

(क)वियोग से उत्पन्न पीड़ा संबंधी

(ख) संयोग से उत्पन्न पीड़ा संबंधी

(ग) वियोग से उत्पन्न सुख संबंधी

(घ) संयोग से उत्पन्न सुख संबंधी

(ii)गोपियाँ अब किसके पास जाने का साहस नहीं कर सकती ?

(क) कृष्ण

(ख) राम

(ग) शिव

(घ) शंकर

(iii)योग के संदेशों ने गोपियों के ह्रदय पर क्या प्रभाव डाला था ?

(क)अपार दुःख से भर दिया ।

(ख) अपार सुख से भर दिया ।

(ग) क्षणिक दुख से भर दिया।

(घ) क्षणिक सुख से भर दिया ।

(iv)गोपियाँ किसे अपनी मर्यादा समझती थी ?

(क)श्रीकृष्ण और उनके प्रेम ।

(ख) राम और उनके प्रेम को ।

(ग)श्रीकृष्ण का मथुरा रहना ।

(घ) राम से दूर रहना ।

(v)प्रस्तुत पद में किस भाषा का प्रयोग किया है ?

(क)ब्रज

(ख) अवधी

(ग) सधुक्कड़ी

(घ) राजस्थानी

प्रश्न 10 निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1X2=2

(i) क्रोधित होते हुए भी परशुराम ने लक्ष्मण का वध क्यों नहीं किया ?

(क) लक्ष्मण ने शिव धनुष भंग नहीं किया था ।

(ख) लक्ष्मण को कम आयु का बालक जानकर।

(ग) सभा में सब उपस्थित थे ।

(घ) लक्ष्मण ब्राह्मण थे ।

(iii) गोपियों ने उद्धव के योग को कड़वी ककड़ी क्यों कहा है ?

(क)क्योंकि उद्धव का योग ककड़ी के समान है ।

(ख) ककड़ी कड़वी होती है

(ग)क्योंकि उद्धव का योग मार्ग उनके लिए कृष्ण से विरक्ति का मार्ग था ,जिसे वह अपनाना नहीं चाहती थी ।

(घ) उद्धव के योग मार्ग मिलन का मार्ग था ।